

समाचार सार

सेल यूनिट्स स्पोर्ट्स क्लब की क्रिकेट टीम के चयन के लिए 27 और 28 अक्टूबर को ट्रायल

मेर्कॉन क्रिकेट स्टेडियम में होगा चयन, इच्छुक खिलाड़ियों को सुबह 8 बजे रिपोर्ट करने का निर्देश

अथवा केपी पात्रा के समक्ष सुबह 8 बजे रिपोर्ट करना होगा। चयनित खिलाड़ियों को सेल यूनिट्स स्पोर्ट्स क्लब की ओर से स्ट्राइपेंड भी दिया जाएगा।

क्वेडरमा में अवैध क्वाटर्ज पत्थर कारोबार पर पुलिस-वन विभाग का शिकंजा, पांच गिरफ्तार



कोडरमा: जिले में क्वाटर्ज स्टोन यानी सफेद पत्थर के कथित अवैध खनन और परिवहन के खिलाफ पुलिस तथा वन विभाग ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए पांच लोगों को गिरफ्तार किया है। शुक्रवार की अहले सुबह तिलैया बस्ती-गझंडी रोड पर की गई कार्रवाई के दौरान पत्थर लदी एक पिकअप वैन भी जब्त की गई।

गिरफ्तार आरोपियों में लोकाई निवासी पिंटू यादव, कचन साव, मोहन साव और सत्येंद्र यादव के अलावा तीनतारा निवासी प्रदीप मंडल शामिल हैं। पुलिस और वन विभाग की टीम को अवैध तरीके से पत्थर के खनन एवं परिवहन की सूचना मिली थी। इसी आधार पर कार्रवाई की गई।

पृछताछ के दौरान चालक प्रदीप मंडल ने कथित तौर पर बताया कि वह बबलू यादव का पत्थर लेकर जा रहा था। हालांकि, इस दावे की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है।

जांच एजेंसियां पत्थर के वास्तविक स्रोत, खनन स्थल और इस कारोबार से जुड़े अन्य लोगों की भूमिका का पता लगाने में जुटी हैं। अवैध खनन से सरकारी राजस्व को नुकसान पहुंचाने के साथ पर्यावरण पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। फिलहाल जब्त पत्थरों और वाहन के संबंध में आगे की जांच की जा रही है।

घंघरी दुर्गा मंदिर में उमड़ा श्रद्धालुओं का सैलाब, जानकी प्रसाद यादव ने की सुख-समृद्धि की कामना



बरकट्टा: बरकट्टा विधानसभा क्षेत्र के झुरखुरी पंचायत अंतर्गत घंघरी गांव स्थित दुर्गा मंदिर में पूजा-अर्चना के दौरान श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। इस अवसर पर झारखंड राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग के अध्यक्ष एवं बरकट्टा के पूर्व विधायक जानकी प्रसाद यादव मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। पूजा समिति और स्थानीय युवाओं ने उनका भव्य स्वागत किया।

श्री यादव ने पूजा के सफल आयोजन पर समिति के अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, सदस्यों और समस्त ग्रामवासियों को बधाई दी। उन्होंने घंघरी, झुरखुरी और कोनहारा खुर्द पंचायत सहित पूरे बरकट्टा प्रखंड एवं विधानसभा क्षेत्र की सुख-समृद्धि, खुशहाली और प्रगति के लिए माता रानी से प्रार्थना की। जनता को संबोधित करते हुए जानकी प्रसाद यादव ने क्षेत्र के विकास से जुड़े मुद्दे उठाए। उन्होंने कहा कि उनके कार्यकाल में विधानसभा क्षेत्र के विकास के लिए जो पहल की गई थी, वर्तमान प्रतिनिधि उस दिशा में आगे नहीं बढ़ रहे हैं। उन्होंने विश्वास जताया कि माता रानी का आशीर्वाद मिला तो क्षेत्र के अधूरे सपनों और लंबित विकास कार्यों को पूरा करने का प्रयास करेंगे। कार्यक्रम के दौरान मंदिर परिसर भक्तिमय माहौल में डूबा रहा। मौके पर पूजा समिति के सदस्य, स्थानीय युवा और बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे।

लातेहार में पुलिस और एसएसबी का संयुक्त अभियान राइफल-कारतूस समेत सदिग्ध सामग्री बरामद

संजय कुमार यादव



लातेहार: जिले में सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने और अवैध हथियारों की बरामदगी के उद्देश्य से लातेहार पुलिस तथा सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) की 32वीं वाहिनी ने संयुक्त तलाशी अभियान चलाया। 21 और 22 अक्टूबर को चलाए गए इस अभियान के दौरान सुगाबोध, आधे, दौना और दुरुष वनक्षेत्र से हथियार, कारतूस, मैगजीन और अन्य सामग्री बरामद की गई। अभियान के दौरान एक .303 राइफल, एक बोल्ट-एक्शन राइफल, एक खाली मैगजीन और 9 एमएम पिस्टल की एक खाली मैगजीन बरामद हुई। इसके अलावा .303 राइफल के नौ जिंदा कारतूस, 28 अन्य जिंदा कारतूस, 34 ट्रेसर कारतूस और 7.62 एमएम का एक जिंदा कारतूस भी मिला। सुरक्षा बलों ने गोला-बारूद रखने की एक थैली और दो स्टील कंटेनर भी बरामद किए। पुलिस के अनुसार, ये कंटेनर आईईडी से संबंधित बताए गए हैं।

संयुक्त अभियान का उद्देश्य जिले के वन क्षेत्रों में सुरक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ करना और अवैध हथियारों की बरामदगी करना था। बरामद हथियारों, कारतूसों और अन्य सामग्रियों के संबंध में आगे की जांच की विस्तृत जानकारी आधिकारिक रूप से उपलब्ध नहीं कराई गई है।

सिटी

मेट्रोRays

जन शिकायत निवारण में उपायुक्त ने सुनीं ग्रामीणों की समस्याएं, दिव्यांग को मौके पर मिली ट्राई साइकिल

संदीप कुमार ने अधिकारियों को आवेदनों का भौतिक सत्यापन कर समस्याओं के त्वरित निष्पादन का दिया निर्देश

संजय कुमार यादव

लातेहार: उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी संदीप कुमार की अध्यक्षता में शुक्रवार को समाहरणालय स्थित उपायुक्त कार्यालय कक्ष में साप्ताहिक जन शिकायत निवारण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान जिले के शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों से पहुंचे लोगों ने अपनी समस्याएं और शिकायतें उपायुक्त के समक्ष रखीं। उपायुक्त ने एक-एक कर सभी शिकायतकर्ताओं की समस्याएं सुनीं और उनके शीघ्र समाधान का भरोसा दिलाया।

दिव्यांग को मौके पर उपलब्ध कराई ट्राई साइकिल: जन शिकायत निवारण कार्यक्रम के दौरान महुआडांड प्रखंड के चंपा पंचायत निवासी थोलकों कंवर ने उपायुक्त से ट्राई साइकिल उपलब्ध



कराने की मांग की। मामले को गंभीरता से लेते हुए उपायुक्त संदीप कुमार ने तत्काल पहल

की और उन्हें मौके पर ही ट्राई साइकिल उपलब्ध कराई। ट्राई साइकिल मिलने से

थोलकों कंवर को आवागमन में सहूलियत होगी। साथ ही, इससे दैनिक जीवन में आत्मनिर्भरता

बढ़ाने में मदद मिलेगी।

अधिकारियों को त्वरित कार्रवाई के निर्देश: कार्यक्रम के दौरान अन्य शिकायतकर्ताओं ने भी अपनी समस्याओं से उपायुक्त को अवगत कराया। प्राप्त आवेदनों के आधार पर उपायुक्त ने संबंधित विभागों के अधिकारियों को नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई करने का निर्देश दिया। उन्होंने स्पष्ट कहा कि सभी आवेदनों का भौतिक सत्यापन करते हुए समस्याओं का जल्द से जल्द समाधान सुनिश्चित किया जाए, ताकि आम लोगों को अनावश्यक परेशानी का सामना नहीं करना पड़े।

उपायुक्त ने अधिकारियों को जन शिकायतों के निष्पादन में संवेदनशीलता और गंभीरता बरतने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि जरूरतमंदों एवं

दिव्यांगजनों को आवश्यक सहायता उपलब्ध कराना और आम लोगों की समस्याओं का समय पर समाधान करना जिला प्रशासन की प्राथमिकता है।

प्रत्येक मंगलवार और शुक्रवार को होता है जन शिकायत निवारण : जिला प्रशासन की ओर से आम लोगों की समस्याओं के समाधान और सरकारी योजनाओं का लाभ जरूरतमंदों तक पहुंचाने के उद्देश्य से नियमित रूप से जन शिकायत निवारण कार्यक्रम आयोजित किया जाता है। उपायुक्त के निर्देशानुसार जिला, अनुमंडल एवं प्रखंड स्तर के सभी पदाधिकारियों के कार्यालयों में प्रत्येक मंगलवार और शुक्रवार को यह कार्यक्रम आयोजित किया जाता है।

चंदवा में पेट्रोल पंप कार्यालय पर फायरिंग, बाल-बाल बचे कर्मी

बाइक सवार दो अज्ञात अपराधियों ने की गोलीबारी घटनास्थल से गोली का खोखा बरामद



संवाददाता

चंदवा: चंदवा थाना क्षेत्र के सिकनी स्थित राज फ्यूल्स पेट्रोल पंप के कार्यालय पर शुक्रवार की शाम गोलीबारी की घटना से इलाके में सनसनी फैल गई। बाइक सवार दो अज्ञात अपराधियों ने पेट्रोल पंप के कार्यालय को निशाना बनाकर फायरिंग की। घटना में वहां मौजूद कर्मचारी बाल-बाल बच गए। गोलीबारी के बाद पेट्रोल पंप संचालक और कर्मचारियों के बीच दहशत का माहौल है। पेट्रोल पंप के मालिक लाल रंजननाथ साहदेव ने घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि शाम 7 बजकर 5 मिनट पर गोलीबारी हुई। बताया जा रहा है कि वारदात को अंजाम देने के बाद दोनों अपराधी बाइक से लातेहार की ओर फरार हो गए।

सूचना मिलते ही घटनास्थल पर पहुंची पुलिस: घटना की जानकारी मिलते ही चंदवा थाना

प्रभारी मनोरंजन प्रसाद सिंह पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण किया और जांच के दौरान गोली का खोखा बरामद किया। पुलिस मामले की छानबीन में जुट गई है।

हालांकि, गोलीबारी के पीछे की वजह और अपराधियों की पहचान को लेकर फिलहाल कोई आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई है।

सुरक्षा व्यवस्था पर उठे सवाल: पेट्रोल पंप जैसे सार्वजनिक स्थान पर गोलीबारी की घटना ने क्षेत्र की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर सवाल खड़े कर दिए हैं। घटना के बाद स्थानीय लोगों में भी चिंता देखी जा रही है। पुलिस अपराधियों की पहचान करने और घटना के कारणों का पता लगाने में जुटी है। जांच पूरी होने के बाद ही गोलीबारी के पीछे की वास्तविक वजह स्पष्ट हो सकेगी।

मैडिकल क्लेम के भुगतान में देरी पर भड़के राजद जिलाध्यक्ष एसबीआई शाखा के बाहर धरना-अनशन की चेतावनी

चंदवा: राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के लातेहार जिलाध्यक्ष रामप्रवेश यादव ने भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई), चंदवा शाखा के प्रबंधक को आवेदन देकर मैडिकल इंश्योरेंस क्लेम का भुगतान कराने की मांग की है। उन्होंने चेतावनी दी है कि निर्धारित समय के भीतर भुगतान नहीं होने पर वह अपने परिवार और पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ बैंक शाखा के मुख्य द्वार पर धरना और अनशन करेंगे।

आवेदन के अनुसार, रामप्रवेश यादव का एसबीआई मैडिकल इंश्योरेंस वर्ष 2012-13 से चल रहा है। उन्होंने बताया कि 2 मई 2026 को दिल्ली के फोर्टिस अस्पताल में उनके हृदय का ऑपरेशन हुआ था। ऑपरेशन से पहले उन्होंने कैशलेस क्लेम की मांग की थी, लेकिन उन्हें ऑपरेशन के बाद खर्च का भुगतान किए जाने की बात कही गई।

इसके बाद उन्होंने ऑपरेशन से संबंधित आवश्यक दस्तावेज जमा कर क्लेम के भुगतान का आग्रह किया। रामप्रवेश यादव का कहना है कि भुगतान में देरी होने पर उन्होंने बैंक शाखा प्रबंधक से मिलकर भी अपनी समस्या रखी थी। उस दौरान उन्हें जल्द भुगतान कराने का आश्वासन दिया गया, लेकिन अब तक राशि नहीं मिलने से उन्हें आर्थिक परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

उन्होंने बताया कि इलाज के लिए कर्ज लेना पड़ा था और अब कर्ज देने वालों को राशि लौटाना भी जरूरी है।

राजद जिलाध्यक्ष ने अपने आवेदन में क्लेम संख्या 91575699 का भुगतान जल्द कराने की मांग की है। उन्होंने चेतावनी दी है कि भुगतान नहीं होने पर धरना-अनशन किया जाएगा। आवेदन की प्रतिलिपि लातेहार के उपायुक्त को भी सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्रवाई के लिए भेजी गई है।

इस संबंध में चंदवा स्थित एसबीआई शाखा के प्रबंधक निशांत लकड़ा से दूरभाष पर पूछे जाने पर उन्होंने बताया कि दस्तावेज अपूर्ण होने के कारण प्रक्रिया पूरी नहीं हो पा रही है। उनके अनुसार, दस्तावेज पूरे होते ही इंश्योरेंस कंपनी की ओर से क्लेम का भुगतान किया जाएगा।

राजहरा जीएम कार्यालय में रक्तदान शिविर, 51 लोगों ने किया रक्तदान

जिला अस्पताल की मेडिकल टीम के सहयोग से आयोजन, अधिकारियों-कर्मचारियों और स्थानीय लोगों ने बढ़-चढ़कर लिया हिस्सा



चंदवा: चंदवा के कंचन नगरी स्थित राजहरा क्षेत्र के महाप्रबंधक (जीएम) कार्यालय में शुक्रवार को जिला अस्पताल, लातेहार के सहयोग से रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का उद्घाटन राजहरा क्षेत्र के महाप्रबंधक मनीष कुमार ने किया। इस दौरान अधिकारियों, कर्मचारियों, ठेकेदारों और

स्थानीय लोगों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए कुल 51 यूनिट रक्तदान किया।

शिविर का उद्देश्य जरूरतमंद मरीजों को समय पर रक्त उपलब्ध कराना और समाज में रक्तदान के प्रति जागरूकता बढ़ाना था। क्षेत्रीय कर्मचारियों, ठेकेदारों, हितधारकों और स्थानीय निवासियों ने इसमें बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया।

रक्तदाताओं के उत्साह ने शिविर को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

इस अवसर पर तेतरियाखांड के परियोजना पदाधिकारी जेपी रावत, प्रबंधक राकेश कुमार बेहेरा, एसओ (माइनिंग) युगल कुमार, एसओ (एचआर) सिप्रियन केरकेट्टा, एएफएम प्रकाश चौहान, एसओ (पीएंडपी)

संजीव कुमार, नोडल पदाधिकारी विनायक सावलकर तथा क्षेत्र सुरक्षा पदाधिकारी राकेश रौशन उपस्थित थे।

जिला अस्पताल की मेडिकल टीम का नेतृत्व चिकित्सा प्रभारी डॉ. पिंकी कश्यप ने किया। उनके साथ क्षेत्र चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. नेहा रानी भी मौजूद थीं। रक्तदान प्रक्रिया की निगरानी और शिविर के सुचारू संचालन में वरिष्ठ चिकित्सा पदाधिकारी वीर बहादुर सिंह एवं श्याम किशोर ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

आयोजकों ने शिविर को सफल बनाने में सहयोग देने वाली मेडिकल टीम, उपस्थित अधिकारियों और सभी रक्तदाताओं के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि रक्तदान एक महान सामाजिक कार्य है। एक व्यक्ति का रक्तदान जरूरतमंद मरीज के लिए जीवनरक्षक साबित हो सकता है। ऐसे आयोजनों से समाज में मानवता, सेवा और सामाजिक जिम्मेदारी की भावना मजबूत होती है।

धोखाधड़ी मामले में लगाम निवासी उमेश महतो धनबाद में गिरफ्तार



सुरी: लगाम निवासी उमेश महतो को धनबाद में पुलिस ने गिरफ्तार किया है। उसके खिलाफ हरियाणा की एक कंपनी के साथ स्क्रेप लोहा और कोयले की आपूर्ति के नाम पर लाखों रुपये के लेनदेन में धोखाधड़ी करने का आरोप है। उपलब्ध जानकारी के अनुसार, कंपनी के साथ लेनदेन के बाद उमेश महतो कथित तौर पर फरार चल रहा था। उसके पुराने रिकॉर्ड को लेकर भी धोखाधड़ी के आरोप लगाए गए हैं। हालांकि, इन आरोपों और उसके पूर्व रिकॉर्ड की स्वतंत्र पुष्टि उपलब्ध नहीं है।

बताया जाता है कि उमेश महतो पहले तुलिन, पश्चिम बंगाल में एक लाइन होटल भी चलाता था। स्थानीय स्तर पर उसके राजनीतिक गतिविधियों में सक्रिय रहने की भी चर्चा रही है। फिलहाल, धनबाद में गिरफ्तारी के बाद मामले से जुड़े तथ्यों और आरोपों की पुष्टि संबंधित पुलिस रिकॉर्ड से की जानी बाकी है।

दुख की घड़ी में शोकाकुल परिवार के साथ खड़े हुए आजसू और भाजपा कार्यकर्ता

राशन सामग्री और आर्थिक सहायता देकर परिवार की मदद की, दिवंगत दुखु नायक को दी श्रद्धांजलि

संवाददाता

खूंटी: मुरहू प्रखंड के गोड़ाटोली गांव निवासी छोटू नायक के पिता दुखु नायक का तबीयत बिगड़ने के बाद आकस्मिक निधन हो गया। इस दुखद घटना से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। शोक की इस घड़ी में परिवार को सांत्वना देने और सहयोग प्रदान करने के उद्देश्य से आजसू पार्टी एवं भाजपा के कार्यकर्ता उनके घर पहुंचे।

इस दौरान आजसू पार्टी के खूंटी जिला अध्यक्ष जयकांत कुमार कश्यप, मुरहू प्रखंड अध्यक्ष पंकज कुमार, प्रखंड सचिव संदीप टूटी, भाजपा ओबीसी मोर्चा के महामंत्री सह कोड़ाकेल वार्ड सदस्य अमित कुमार महतो तथा निरंतर होरो सहित अन्य लोगों ने शोकाकुल परिवार से मुलाकात की। उन्होंने परिजनों से बातचीत कर उनका



दुख साझा किया और इस कठिन समय में धैर्य बनाए रखने का भरोसा दिलाया। परिवार की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए उपस्थित लोगों ने राशन सामग्री और आर्थिक सहायता प्रदान की, ताकि इस मुश्किल समय में

परिवार को कुछ राहत मिल सके। इस पहल के माध्यम से कार्यकर्ताओं ने मानवीय संवेदना और सामाजिक जिम्मेदारी का परिचय देते हुए पीड़ित परिवार के प्रति सहयोग और एकजुटता का संदेश दिया। इस अवसर पर सभी

ने दिवंगत दुखु नायक को श्रद्धांजलि अर्पित की तथा शोक संतप्त परिवार के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की। साथ ही, ईश्वर से प्रार्थना की कि वह परिजनों को इस अपूरणीय क्षति को सहन करने की शक्ति प्रदान करें।

एचडीएफसी बैंक का जोश अनलिमिटेड कार्यक्रम आयोजित,एक हजार से अधिक कर्मियों ने लिया हिस्सा

खेलकूद और सांस्कृतिक गतिविधियों के बीच कर्मियों ने उठाया गेट-टुगेदर का आनंद, पर्यटन सचिव मुकेश कुमार ने किया उद्घाटन



मेट्रो रोज
रांची: एचडीएफसी बैंक की ओर से शनिवार को जेके क्रिकेट अकादमी परिसर में अपने कर्मियों के लिए ह्यजोश अनलिमिटेडह् कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें बैंक के वरिष्ठ अधिकारियों सहित एक हजार से अधिक कर्मियों ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया। दिनभर चले इस आयोजन में खेलकूद, मनोरंजन और सांस्कृतिक गतिविधियों के माध्यम से कर्मियों ने आपसी मेलजोल बढ़ाया और सामूहिक सहभागिता का आनंद लिया।

ग्रामीण महिलाओं को आत्मनिर्भर बना रहें बेला उरांव, चार गुना आय बढ़ाकर बर्नी मिसाल



रांची: झारखंड के बेरो प्रखंड के कोटपाली गांव की बेला उरांव ने पलाश उत्तम एगो प्रोसेसिंग यूनिट से जुड़कर अपनी मासिक आय 2,000 रुपये से बढ़ाकर 8,000 रुपये कर ली है। कभी ग्राहकों से बात करने में झिझकने वाली बेला आज मार्केटिंग ईंचार्ज के रूप में काम कर रही हैं। वह 22 ग्रामीण महिलाओं को उत्पादों की बिक्री, ग्राहकों से संवाद और मार्केटिंग के गुर सिखा रही हैं। जरिया के क्लस्टर लेवल फेडरेशन के अंतर्गत संचालित इस पहल से जुड़ी महिलाएं हर महीने 1,500 से 2,000 रुपये तक की अतिरिक्त आय अर्जित कर रही हैं। बेला स्वयं सहायता समूह से जुड़ने के बाद ग्राम संगठन की अध्यक्ष बर्नी। इस दौरान उन्होंने महिलाओं को बचत, ऋण सुविधाओं और सरकारी योजनाओं से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। प्रशिक्षण से बेला का आत्मविश्वास बढ़ा है। अब वह अन्य महिलाओं को भी आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रेरित कर रही हैं। उनका लक्ष्य पलाश उत्तम के उत्पादों को गांवों से बाहर के बाजारों तक पहुंचाना और स्थानीय किराना दुकानों में उनकी उपलब्धता बढ़ाना है। बेला उरांव की कहानी ग्रामीण महिलाओं के कौशल विकास, आत्मविश्वास और महिला नेतृत्व वाले उद्यमों के माध्यम से आजीविका के नए अवसर सृजित करने की प्रेरक मिसाल है।

रांची में कल से सजेगी बनारसी साड़ियों की प्रदर्शनी, किफायती दरों पर खरीदारी का मौका

प्रिया सिंह की पहल से बनारस के बुनकरों और ग्राहकों को मिलेगा सीधा मंच, बरियातू के पूजा श्री मैरिज हॉल में एक नवंबर तक चलेगी प्रदर्शनी

मेट्रो रोज

रांची: बनारसी साड़ियों की पारंपरिक खूबसूरती और बुनकरों की कला को बढ़ावा देने के उद्देश्य से रांची के बरियातू स्थित पूजा श्री मैरिज हॉल में 25 अक्टूबर से एक नवंबर तक विशेष बनारसी साड़ी प्रदर्शनी का आयोजन किया जा रहा है। प्रदर्शनी की आयोजक प्रिया सिंह ने स्थानीय व्यापारियों और बनारस के कारीगरों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से यह पहल की है। प्रदर्शनी प्रतिदिन सुबह 10:30 बजे से रात 10:30 बजे तक चलेगी। प्रिया सिंह ने बताया कि उनका मायका बनारस में है। इसी जुड़ाव और बनारसी हस्तकला को बढ़ावा देने की सोच के साथ उन्होंने इस प्रदर्शनी की परिकल्पना की है। इसका मुख्य उद्देश्य ग्राहकों और बुनकरों को सीधे एक मंच पर लाना है, ताकि लोग बेहतर गुणवत्ता वाली बनारसी साड़ियां और सूट किफायती दरों पर खरीद सकें। इसके साथ ही स्थानीय व्यापारियों को अपने उत्पादों के प्रचार-प्रसार का अवसर भी मिलेगा।



बनारसी सिल्क से लेकर तसर तक की साड़ियों को मिलेगी रेंज प्रदर्शनी में बनारसी सिल्क, शिफॉन, टिश्यू, तसर, मूंगा सिल्क, कॉटन और खड्डू सहित विभिन्न प्रकार की बनारसी साड़ियों की आकर्षक रेंज उपलब्ध रहेगी। इसके अलावा बनारसी सूट और दुपट्टे भी ग्राहकों के लिए प्रदर्शित किए जाएंगे। पारंपरिक डिजाइन, उत्कृष्ट बुनाई और प्रीमियम कपड़ों की विविधता इस प्रदर्शनी का प्रमुख आकर्षण होगी। ग्राहकों को अपनी पसंद और जरूरत के अनुसार अलग-अलग तरह की साड़ियों और परिधानों को देखने तथा खरीदने का अवसर मिलेगा। बनारस के चार कारीगर भी रहेंगे मौजूद: प्रिया सिंह ने बताया कि प्रदर्शनी में बनारस से आए चार कारीगर भी मौजूद रहेंगे। इससे ग्राहकों को बनारसी कपड़ों की बुनाई, डिजाइन और गुणवत्ता को करीब से समझने का अवसर मिलेगा। प्रदर्शनी के माध्यम से बनारस की पारंपरिक कला और कारीगरी को रांची के लोगों तक पहुंचाने के साथ-साथ बुनकरों और ग्राहकों के बीच सीधा संपर्क



कार्यक्रम का उद्देश्य बैंककर्मियों को कामकाज की व्यस्त दिनचर्या से अलग एक साथ समय बिताने, मनोरंजन करने और आपसी संबंधों को मजबूत बनाने का अवसर प्रदान करना था। पर्यटन सचिव मुकेश कुमार

बीजेपी कार्यसमिति की बैठक में पहुंचे नितिन नबीन, पारंपरिक ढोल-नगाड़ों के साथ हुआ स्वागत

संवाददाता

रांची : झारखंड भाजपा की दो दिवसीय प्रदेश कार्यसमिति की बैठक के लिए शनिवार को पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन बैठक स्थल पर पहुंचे। रिंग रोड स्थित हवेली बैंकवेट हॉल में उनके पहुंचते ही पार्टी के वरिष्ठ नेताओं और कार्यकर्ताओं ने उनका स्वागत किया। नितिन नबीन ने खुद बजाया मांदर: बैठक स्थल के मुख्य द्वार पर पारंपरिक वेशभूषा में सजे आदिवासी कलाकार ढोल-नगाड़ों और मांदर की थाप पर नृत्य कर रहे थे। राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन ने कलाकारों का उत्साह बढ़ाया और खुद भी गले में मांदर टांगकर उसे बजाया। इस दौरान पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी, प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू, रांची के विधायक सीपी सिंह और हटिया विधायक नवीन



जायसवाल समेत कई वरिष्ठ नेता उनके साथ मौजूद रहे। चंदन का टीका लगाकर और आरती उतारकर स्वागत: बैठक में शामिल होने पहुंचे प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू, बाबूलाल मरांडी और प्रदेश महामंत्री अमर बाउरी समेत तमाम पदाधिकारियों का पारंपरिक तरीके से स्वागत किया गया। महिला मोर्चा की

आयोजन कर्मचारियों के बीच आपसी समन्वय, सहयोग और टीम भावना को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। पर्यटन सचिव ने जेके क्रिकेट अकादमी परिसर में उपलब्ध सुविधाओं और उसके विकास की भी सराहना की। उन्होंने बताया कि इस परिसर के लिए उन्होंने स्वयं नो-ड्यूयू सर्टिफिकेट जारी किया था। आज यहां विभिन्न खेलों और मनोरंजन से जुड़ी अनेक सुविधाएं उपलब्ध हैं। परिसर में विकसित सुविधाओं को देखकर उन्होंने प्रसन्नता जताई और जेके ग्रुप ऑफ कंपनीज के चेयरमैन जितेंद्र सिंह की प्रशंसा की। विभिन्न खेल गतिविधियों में दिखा उत्साह: जोश अनलिमिटेड कार्यक्रम के दौरान बैंककर्मियों के मनोरंजन और शारीरिक गतिविधियों के लिए कई तरह के खेलों की व्यवस्था की गई थी। प्रतिभागियों ने जेके क्रिकेट अकादमी परिसर में उपलब्ध सुविधाओं का लाभ उठाते हुए क्रिकेट, टेनिस, वॉलीबॉल, बैडमिंटन, कैसम बोर्ड और टेबल टेनिस जैसी गतिविधियों में हिस्सा लिया। इसके अलावा स्विमिंग, जिम और बॉक्स क्रिकेट भी आकर्षण का केंद्र रहे। विभिन्न खेल गतिविधियों में कर्मियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। इन गतिविधियों के माध्यम से उन्हें एक-दूसरे के साथ समय बिताने, आपसी परिचय बढ़ाने और टीम भावना को मजबूत करने का अवसर मिला। सुबह सात बजे शुरू हुआ कार्यक्रम, रात आठ बजे हुआ संपन्न: कार्यक्रम की शुरूआत

सुबह सात बजे हुई और यह रात आठ बजे संपन्न हुआ। पूरे दिन परिसर में उत्साह और मनोरंजन का माहौल बना रहा। आयोजन में शामिल बैंककर्मियों के लिए नाश्ते और दोपहर के भोजन की भी व्यवस्था की गई थी, ताकि वे दिनभर विभिन्न गतिविधियों में सहजता से भाग ले सकें। खेलकूद के साथ-साथ सांस्कृतिक कार्यक्रमों का भी आयोजन किया गया। सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने कार्यक्रम को और आकर्षक बना दिया। कर्मियों ने विभिन्न गतिविधियों में भाग लेते हुए दिनभर उत्साहपूर्वक समय बिताया। जेके ग्रुप ऑफ कंपनीज के पदाधिकारियों की रही अहम भूमिका: कार्यक्रम को सफल बनाने में जेके ग्रुप ऑफ कंपनीज के वाइस चेयरमैन चंद्रशिखा सिंह, सीईओ जेशू प्रधान, जया सिन्हा, कृष प्रधान, अश्रुति नाहर और आफताब आलम की महत्वपूर्ण भूमिका रही। उनके सहयोग और बेहतर व्यवस्थाओं के कारण कार्यक्रम का संचालन सुव्यवस्थित तरीके से हुआ। कुल मिलाकर, जोश अनलिमिटेड एचडीएफसी बैंक के कर्मियों के लिए खेलकूद, मनोरंजन और आपसी मेलजोल का विशेष अवसर साबित हुआ। एक हजार से अधिक कर्मियों की भागीदारी ने आयोजन को खास बना दिया। सुबह से रात तक चले इस कार्यक्रम ने बैंककर्मियों को कार्यस्थल की व्यस्तताओं से अलग एक साथ समय बिताने और टीम भावना को मजबूत करने का अवसर प्रदान किया।

मुरी-सिल्ली क्षेत्र में अवैध शराब और गांजे की बिक्री का आरोप, नशे की गिरफ्त में युवा पीढ़ी

सिल्ली: सिल्ली-मुरी और आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में अवैध महुआ शराब तथा गांजे की बिक्री को लेकर स्थानीय लोगों ने चिंता जताई है। ग्रामीणों के अनुसार, केसरडीह, लोटा, हरवाडीह, नवाडीह, कुलसूद, कोंचो, सुंडील, टूटकी, कोका, लगाम, बासुडीह, बंता, पतराहातु, कारियाडीह, तुंक्रू, मुरहू, मारदू, बामनडीह, बिसरिया और रामपुर सहित कई गांवों में कथित तौर पर अवैध नशीले पदार्थों की बिक्री हो रही है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि बड़े मुरी बाजार में कुछ स्थानों पर राशन दुकानों की तरह सुबह से देर रात तक शराब और गांजे की बिक्री की जाती है। उनका कहना है कि नशे की लत के कारण युवा पीढ़ी के शारीरिक स्वास्थ्य, मानसिक स्थिति और भविष्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। नियमित रूप से नशीले पदार्थों का सेवन करने वाले कुछ लोगों के व्यवहार में असामान्य बदलाव और हिंसक प्रवृत्ति भी देखने को मिलती है।

वरिय पुलिस अधीक्षक का कार्यालय, राँची
सर्वसाधारण के लिए सूचना


नाम-करिश्मा कुमारी,
उम्र-42 वर्ष,
उँचाई-5 फीट,
रंग-गोरा,
पहनावा-पीला रंग का
मिक्स सलवार सूट एवं
पायजामा पहनी हुई
है।

उपरोक्त लापता महिला करिश्मा कुमारी, उम्र-42 वर्ष, पिता-कैलाश साहू, ग्राम-पंथो-मसमानो, थाना-मण्डरा, जिला-लौहर्दगा, वर्तमान पता-जगरनाथपुर शिव मंदिर, थाना-जगरनाथपुर, जिला-राँची जो दिनांक-06.10.2026 को अपने घर से बगीर बताए कहीं चली गईं जो आजतक अपने घर वापस नहीं आई हैं। जिसके संबंध में जगरनाथपुर थाना काण्ड सं0-309/2026, दिनांक-15.10.2026, धारा-137(2)/3(5) की0एन0एस0 दर्ज कर इनकी खोजबीन की जा रही है। उपरोक्त सूचना को सार्वजनिक किया जाना आवश्यक है।
अतः सभी जनसाधारण से अनुरोध है कि यदि उपरोक्त लापता महिला कहीं मिलती/दिखती है तो इसके संबंध में वरिय पुलिस अधीक्षक के कार्यालय में या निम्नांकित फोन नम्बर पर संपर्क कर इसकी सूचना दें।
Email ID(mc-dcb@jhpolic.gov.in)
पुलिस उपाधीक्षक, हटिया, राँची। - 9431706143
थाना प्रभारी, जगरनाथपुर, राँची। - 9431706169
आवेदक कैलाश साहू। - 9006944485

वरिय पुलिस अधीक्षक, राँची
PR 392298 Police(26-27)#D

पुलिस अधीक्षक का कार्यालय, सिमडेगा
(सर्वसाधारण के लिए सूचना)

लापता बालिका पुष्पा कुमारी, उम्र करीब-17 वर्ष, पे0-सुदर्शन मॉड्री, सा0-परबा, थाना-जलडेगा, जिला-सिमडेगा, राज्य-झारखण्ड के दिनांक-17/08/2026 को घर से निकली थी, जो अबतक घर वापस नहीं आई हैं। लापता बालिका की बरामदगी अभीतक नहीं हो पायी है, जिसकी विवरणी निम्नवत् है:-

हूतिया की विवरणी :-
लिंग :- स्त्री।
उम्र :- 17वर्ष।
रंग :- सांवली।
उँचाई :- 05 फीट 02 ईंच।
बाल :- काला।
भाषा :- सादरी एवं हिन्दी।
पहनावा :-लालरंग का साड़ी



अतः सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि उक्त लापता बालिका के बारे में पता चलता है तो नीचे अंकित दूरभाष नं0 पर अविलंब सूचित करें।
पुलिस अधीक्षक, सिमडेगा - मोबाइल नं0-9431116444
पुलिस उपाधीक्षक, (मु0) सिमडेगा - मोबाइल नं0-9431706227
थाना प्रभारी,जलडेगा - मोबाइल नं0-9431706237
पुलिस निचंत्रण कक्ष, सिमडेगा - मोबाइल नं0-9262998531
मान्य तत्परकी संबंधी टोल फ्री नं0 - मोबाइल नं0-1800-3456-256

पुलिस अधीक्षक, सिमडेगा
PR 392323 Simdega(26-27)#D

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय
ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल, गुमला।
mail-rdsgumla123@gmail.com

अल्पकालीन ई-निविदा आमंत्रण सूचना
ई- निविदा सूचना संख्या - RDD/SD/GUMLA/16/2026-27(2nd Call)
1. कार्य की विस्तृत विवरणी: (अनावद्ध निधि गत)

क्रुपसं०	कार्य का नाम	प्राक्कलित राशि	अग्रघन की राशि	परिमाण विपत्र का मूल्य	कार्य पूर्ण करने की अवधि
1	Construction of Culvert Over Dhorha Nala, Village- Chordarha, Gram Bangaru Panchayat- Bangaru under Block-Palkot.	49,59,800.00	1,00,000.00	5000.00	06 माह

- वेबसाइट में निविदा प्रकाशन की तिथि -27.10.2026
- ई-निविदा प्राप्ति की तिथि एवं समय - दिनांक 27.10.2026 से दिनांक 30.10.2026 को अपराह्न 5:00 बजे तक
- ई-निविदा खोलने का स्थान - कार्यपालक अभियंता का कार्यालय, ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल, गुमला।
- ई-निविदा खोलने की तिथि एवं समय - 02.11.2026 अपराह्न 2:00 बजे
- ई-निविदा आमंत्रित करने वाले पदाधिकारी का नाम एवं पता :- कार्यपालक अभियंता, ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल, गुमला।
- ई-निविदा प्रकोच का दूरभाष सं० - 08524223013 (संबंधित कार्यपालक अभियंता का दूरभाष नम्बर)
- परिमाण विपत्र की राशि घट-बढ़ सकती है तदनुसार अग्रघन की राशि देय होगी।
- निविदा शुल्क एवं अग्रघन की राशि केवल Online Mode द्वारा स्वीकार्य होगी।
- निविदा शुल्क एवं अग्रघन की राशि का ई-गुप्तान जिस खाता से किया जायेगा, उसी खाते में अग्रघन की राशि वापस होगी। अगर खाता को बंद कर दिया जाता है तो उसकी सारी जवाबदेही आपकी होगी।
- विस्तृत जानकारी के लिये वेबसाइट www.jharkhandtenders.gov.in एवं कार्यालय की सूचना पट्ट पर देखा जा सकता है।

कार्यपालक अभियंता
ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल, गुमला।
PR 392303 (Rural Development) 26-27 (D)



सुविचार

सबसे मुश्किल रास्ता वह होता है जब आपको अकेले चलना पड़ता है, लेकिन वही रास्ता आपको मजबूत भी बनाता है।

आर्थिक मोर्चे पर विकास के सकारात्मक संकेत

विपरीत वैश्विक परिस्थितियों के बावजूद दुनिया भर की रेटिंग संस्थाओं ने भारतीय अर्थव्यवस्था को गतिमान स्वीकार करते हुए वैश्विक औसत से लगभग दो गुणी विकास दर रहने की संभावना जताई है। यह इसलिए महत्वपूर्ण हो जाता है कि वैश्विक परिस्थितियों में कहीं और किसी तरह का सुधार नहीं दिखाई दे रहा है। ईरान-अमेरिका युद्ध हो या रूस-यूक्रेन युद्ध हो या अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के तानाशाही पूर्ण तुगलकी निर्णय हो या कच्चे तेल के भावों में बेतहाशा बढ़ोतरी और हार्मुज का संकट हालात समूचे विश्व में विकट से विकटतर बने हुए हैं। अब तो फ्रांस के हालात भी बिगड़ते जा रहे हैं तो उसका असर जहां यूरोप में दिखाई देगा वहीं भारत में भी हालात को प्रभावित करने के कतिपय प्रयास जारी है।

अच्छी बात यह है कि देश-दुनिया के ग्रामीर हालातों के बावजूद आर्थिक क्षेत्र की दुनिया की लगभग सभी रेटिंग संस्थाओं ने इंडियन इकोनोमी की ग्रोथ रेट को लेकर आशा से भी अधिक विश्वास जताया है। रेटिंग संस्थाओं की ही मानें तो 2026 की वैश्विक औसत आर्थिक विकास दर 3 दशमलव 1 फीसदी रहने की संभावना व्यक्त की जा रही है वहीं, दुनिया की रेटिंग संस्थाओं ने भारत के आर्थिक परिणामों को देखते हुए जुलाई की तुलना में अक्टूबर आते-आते ग्रोथ को 6 दशमलव 9 से लेकर 7 दशमलव 1 रहने की उम्मीद जताई है। खास बात यह है कि विश्व रेटिंग संस्थाओं में से किसी भी संस्था ने जुलाई की रेटिंग की तुलना में नकारात्मक ग्रोथ नहीं दिखा कर ग्रोथ रेट में इजाफा ही जाहिर किया है।दरअसल, देश में मांग और आपूर्ति से लेकर निर्यात तक में लगातार विकास देखा जा रहा है। देश में मांग और आपूर्ति की बेहतर हालात है तो निर्यात में उल्लेखनीय बढ़ोतरी दर्ज की जा रही है। यह भी तब जब वैश्विक मांग कमजोर देखी जा रही है। भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए सबसे सकारात्मक बात यह है कि एमएसएमई सेक्टर में लगातार अच्छा काम हो रहा है तो दूसरी और सर्विस सेक्टर में तो एक तरह से लगातार उछाल आ रहा है। कच्चे तेल के भावों में तो जैसे आग ही लग रही है और उपलब्धता को लेकर भी लाख झंझट के बावजूद इकोनोमी को बूस्टअप रखने में खास बाधा नहीं आ रही है। देसी-विदेशी निवेश में लगातार बढ़ोतरी हो रही है।महंगाई के बावजूद बाजार में मांग बरकरार है। बाजार में मांग से साफ है कि लोगों की क्रय शक्ति बनी हुई है। सर्विस सेक्टर में टूरिज्म, बैंकिंग, आईटी, और इसी तरह के अन्य क्षेत्र उल्लेखनीय परिणाम दे रहे हैं। नवंबर में दीपावली के त्यौहार के चलते बाजार और अधिक गतिशील हो जाएगा क्योंकि दीपावली पर बाजार में तेजी आती ही आती है। जानकारों की मानें तो नवंबर माह में दीपावली पर 7 लाख करोड़ का कारोबार अनुमानित किया जा रहा है। यह पिछली दीपावली की तुलना में 15 प्रतिशत से 18 प्रतिशत तक अधिक रहने की संभावना है। इसी तरह से सेवा क्षेत्र में भी अच्छी ग्रोथ जारी रहने का अनुमान है। इसके अलावा विपरीत हालातों के बावजूद निर्यात में लगातार बढ़ोतरी जारी है। देश की इकोनोमिक ग्रोथ के कारण देसी-विदेशी निवेश के बेहतर हालात दिखाई दे रहे हैं। यही कारण है कि चाहे आईएमएफ हो या मूडीज, ओईसीडी हो या वर्ल्ड बैंक, एशियन डब्लपमेंट बैंक या एसएण्डपी या फिच सभी ने भारत की इकोनोमी की ग्रोथ को लेकर सकारात्मक संकेत दिए हैं। भारत का आरबीआई का आकलन तो पहले ही सबके सामने हैं। एकमात्र फिच रेटिंग संस्था ऐसी है जिसने इंडियन इकोनोमी की ग्रोथ रेट 6.9 प्रतिशत आंकी जो फिच की ही पूर्व की रेटिंग 6.5 प्रतिशत से ही अधिक है। मूडीज सहित कुछ रेटिंग संस्थाओं ने जहां अब 7 प्रतिशत विकास दर आंक रहे हैं तो वर्ल्ड बैंक, ओईसीडी आदि संस्थाओं को भरोसा है कि भारत की आर्थिक विकास दर 7 प्रतिशत से अधिक यानी की 7.1 प्रतिशत रहने की संभावना है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के नित नए निर्णयों से दुनिया की अर्थव्यवस्था पर पड़ रहे असर, युद्ध और तनाव के हालातों में सुधार नहीं होने, हार्मुज जैसी समस्या का समाधान नहीं होने, वैश्विक राजनीतिक अस्थिरता के दौर के बावजूद एक ही सधी हुई नीति का परिणाम है कि देश की अर्थव्यवस्था विकास की गति को ना केवल बनाए हुए हैं अपितु उसकी विकास का ग्राफ लगातार बढ़ता जा रहा है। इसके लिए समग्र और समन्वित प्रयासों को श्रेय जाता है। जहां घरेलू मांग में कमी नहीं आई है, वहीं निवेश का बेहतर माहौल बना हुआ है। एमएसएमई को उत्पादन लिंक प्रोत्साहन योजना का लाभ सीधे इकोनोमी का मिल रहा है वहीं रणनीतिक क्षेत्रों सेमी कण्डक्टर, डिफेंस, इलेक्ट्रोनिक्स, आईटी आदि आदि क्षेत्रों में योजनाबद्ध तरीके से आगे बढ़ा जा रहा है। यही कारण है कि आज इंडियन इकोनोमी और उसकी ग्रोथ पर वैश्विक रेटिंग संस्थाएं अपना विश्वास व्यक्त कर रही है।

जानलेवा होती हवा: सर्दियों से पहले ही प्रदूषण की चुनौती

दिल्ली-एनसीआर की स्थिति इस संकट का सबसे स्पष्ट उदाहरण है। दिल्ली के साथ गाजियाबाद, नोएडा, ग्रेटर नोएडा, गुरुग्राम, फरीदाबाद और आसपास के अनेक शहर एक-दूसरे से जुड़े वायु क्षेत्र का हिस्सा हैं। इसलिए केवल दिल्ली की सीमाओं के भीतर उपाय करने से समस्या का स्थायी समाधान संभव नहीं है। हवा किसी प्रशासनिक सीमा को नहीं मानती, वह प्रदूषण को भी एक क्षेत्र से दूसरे क्षेत्र तक पहुंचाती है।

सर्दियों ने अभी पूरी तरह दस्तक भी नहीं दी है कि देश के अनेक शहरों की हवा में प्रदूषण का जहर घुलने लगा है। दिल्ली-एनसीआर सहित उत्तर भारत के कई क्षेत्रों में वायु गुणवत्ता का तेजी से बिगड़ना इस बात का संकेत है कि प्रदूषण का संकट अब केवल सर्दियों की मौसमी समस्या नहीं, बल्कि हमारे पर्यावरणीय प्रबंधन, शहरी विकास और सार्वजनिक स्वास्थ्य के सामने खड़ी एक गंभीर चुनौती बन चुका है। हर साल अक्टूबर-नवंबर में दमघोड़ धुंध, आंखों में जलन,

ललित गर्ग

सांस लेने में कठिनाई और अस्पतालों में बढ़ती मरीजों की संख्या के साथ यह संकट सामने आता है। विडंबना यह है कि समस्या के कारणों की पहचान होने और उपायों की जानकारी उपलब्ध होने के बावजूद हम हर वर्ष उसी त्रासदी को दोहराने के लिए विवश दिखाई देते हैं। सवाल यह है कि क्या स्वच्छ हवा में सांस लेना भी अब नागरिकों के लिए एक दुर्लभ सुविधा बनकर रह जाएगा? वायु प्रदूषण किसी एक कारण या किसी एक राज्य की देन नहीं है। वाहनों से निकलने वाला धुआं, औद्योगिक उत्सर्जन, निर्माण स्थलों से उड़ती धूल, सड़कों पर जमा मिट्टी, कचरा और जैविक पदार्थ जलाना, ताप विद्युत संयंत्रों से होने वाला उत्सर्जन तथा कृषि अवशेषों का दहन इसके प्रमुख कारणों में शामिल हैं। सर्दियों में तापमान गिरने, हवा की गति कम होने और वायुमंडलीय परिस्थितियों के कारण प्रदूषक जमीन के निकट जमा हो सकते हैं। इससे प्रदूषण का प्रभाव अधिक गंभीर हो जाता है। इस प्रकार मौसम समस्या



को बढ़ाता अवश्य है, लेकिन प्रदूषण पैदा करने वाले मूल कारण मुख्यतः मानवीय गतिविधियों और उनके अपर्याप्त नियमन से जुड़े हैं। दिल्ली-एनसीआर की स्थिति इस संकट का सबसे स्पष्ट उदाहरण है। दिल्ली के साथ गाजियाबाद, नोएडा, ग्रेटर नोएडा, गुरुग्राम, फरीदाबाद और आसपास के अनेक शहर एक-दूसरे से जुड़े वायु क्षेत्र का हिस्सा हैं। इसलिए केवल दिल्ली की सीमाओं के भीतर उपाय करने से समस्या का स्थायी समाधान संभव नहीं है। हवा किसी प्रशासनिक सीमा को नहीं मानती, वह प्रदूषण को भी एक क्षेत्र से दूसरे क्षेत्र तक पहुंचाती है। अतः समाधान भी क्षेत्रीय सहयोग, साझा जवाबदेही और समन्वित कार्ययोजना पर आधारित होना चाहिए। वायु प्रदूषण का सबसे भयावह पक्ष उसका स्वास्थ्य पर जुड़े वाला प्रभाव है। विशेष रूप से पीएम 2.5 जैसे अत्यंत सूक्ष्म कण फेफड़ों की गहराई तक पहुंच सकते हैं और कुछ परिस्थितियों में रक्तप्रवाह तक प्रवेश कर सकते हैं। इनके लंबे समय तक संपर्क में रहने से हृदय एवं फेफड़ों संबंधी बीमारियों, स्ट्रोक और समयपूर्व मृत्यु का जोखिम बढ़ता है। बच्चों, बुजुर्गों, गर्भवती महिलाओं तथा पहले से बीमार

लोगों पर इसका प्रभाव विशेष रूप से गंभीर हो सकता है।

यह संकट केवल सांस के मरीजों तक सीमित नहीं है। स्वस्थ दिखाई देने वाले लोगों की कार्यक्षमता, एकाग्रता और जीवन की गुणवत्ता भी प्रभावित होती है। स्कूल जाने वाले बच्चों को खुले मैदान में खेलने से रोकना पड़े, बुजुर्ग सुबह की सर् छोड़ने को विवश हों और श्रमिकों को जहरीली हवा में काम करना पड़े, तो यह केवल पर्यावरण की समस्या नहीं, बल्कि जीवन की गरिमा और नागरिकों के स्वास्थ्य के अधिकार से जुड़ा प्रश्न है। एयर प्यूरीफायर या मास्क कुछ परिस्थितियों में व्यक्तिगत बचाव में सहायक हो सकते हैं, लेकिन वे स्वच्छ हवा की सार्वजनिक व्यवस्था का विकल्प नहीं बन सकते। प्रदूषण बढ़ने पर ग्रेडेड रिसॉन्स एक्शन प्लान (ग्रेप) लागू करना आवश्यक है। इसके अंतर्गत प्रदूषण की गंभीरता के अनुसार निर्माण गतिविधियों पर प्रतिबंध, वाहनों और उद्योगों पर नियंत्रण तथा अन्य आपातकालीन कदम उठाए जाते हैं। लेकिन इन उपायों की सफलता केवल आदेश जारी करने से नहीं, बल्कि उनके प्रभावी क्रियान्वयन और निरंतर

निगरानी से सुनिश्चित होती है। यदि प्रतिबंधों का उल्लंघन होता रहे, निर्माण स्थलों पर धूल उड़ती रहे और कचरा खुले में जलता रहे, तो सरकारी घोषणाएं अपेक्षित परिणाम नहीं दे सकतीं।

सरकार को प्रदूषण के चरम पर पहुंचने की प्रतीक्षा करने के बजाय सितंबर-अक्टूबर से ही तैयारी शुरू कर देनी चाहिए। प्रदूषण के स्रोतों की पहचान, औद्योगिक इकाइयों का निरीक्षण, सड़कों की नियमित सफाई, निर्माण स्थलों पर धूल नियंत्रण और वाहनों के उत्सर्जन की जांच पहले से सुनिश्चित की जानी चाहिए। सार्वजनिक परिवहन को मजबूत करना, इलेक्ट्रिक बसों को बढ़ावा देना, स्वच्छ ऊर्जा का विस्तार करना और प्रदूषण फैलाने वाली इकाइयों के विरुद्ध निष्पक्ष कार्रवाई करना दीर्घकालिक रणनीति का हिस्सा होना चाहिए। कृषि क्षेत्र में पराली जलाने की समस्या का समाधान किसानों पर जुमाना लगाने भर से नहीं होगा। उन्हें फसल अवशेषों के प्रबंधन के लिए सस्ती मशीनें, तकनीकी सहायता, आर्थिक प्रोत्साहन और स्थानीय स्तर पर उपयोग की सुविधाएं उपलब्ध करानी होंगी। किसानों को समस्या का भागीदार नहीं, समाधान का सहयोगी बनाना होगा। प्रदूषण नियंत्रण की जिम्मेदारी केवल सरकार अपनाने, कचरा और पत्तियां न जलाने तथा ऊर्जा की बचत करने जैसे कदम उठाने होंगे। पर्यावरण संबंधी नियमों के उल्लंघन को चुनना संबंधित अधिकारियों तक पहुंचाना और स्थानीय स्तर पर स्वच्छता एवं हरित क्षेत्र बढ़ाने के प्रयासों में भाग लेना भी आवश्यक है। मीडिया, शैक्षणिक संस्थानों और सामाजिक संगठनों को जनजागरूकता अभियान चलाने चाहिए, ताकि स्वच्छ हवा का महत्व केवल प्रदूषण के चरम पर ही याद न आए।

काँकरोच जनता पार्टी: सियासी बुलबुला या सैलाब

सीजेपी का आगाज अच्छा रहा लेकिन अंजाम दिशाहीन हो गया लगता है। शिक्षामंत्री पद से धर्मेन्द्र प्रधान के इस्तीफे के बाद अभिजीत दीपके और उनकी टीम के नेता अपने को बिना चुनावी राजनीति में उलझे सुपर सरकार मानने लगे। विपक्षी पार्टियां भी मन से, बेमन से उनके पीछे-पीछे चलने लगीं। कारण यह कि विपक्ष सरकार के खिलाफ सड़क पर उतरकर आंदोलन करने की हालत में नहीं रह गया।

रातीय लोकतंत्र में सियासी पार्टियों का बनना-बिगड़ना कोई नई बात नहीं है। हर चुनाव से पहले कुछ नई पार्टियां, कुछ नए चेहरे, कुछ नए नारे और कुछ नए झंडे सामने आते रहे हैं। उनमें से कुछ को हम गंभीरता से लेते हैं और कुछ को कोस कर भूल जाते हैं। सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की बेरोजगारी से संबंधित एक टिप्पणी में हाकोंकरोचह्म शब्द से निकली सोशल मीडिया की पार्टी काँकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) वैसी ही एक पार्टी है। हालांकि उसके संयोजक अमेरिका रिटर्न महाराष्ट्र के संभाजीनगर निवासी अभिजीत दीपके यह दावा करते हैं कि सीजेपी चुनावी राजनीति से दूर रहेवाली एक प्रेशर ग्रुप है। लेकिन सीजेपी के पदाधिकारियों के

राधा रमण

ख्वाब बड़े हैं। नीट पेपरलीक मामले में केन्द्रीय शिक्षामंत्री धर्मेन्द्र प्रधान के इस्तीफा दे देने के बाद तो उनकी महत्वाकांक्षा और भी कुलांचे मारने लगी है। मोदी सरकार के कार्यकाल में यह पहला मौका था, जब सरकार को माँगें माननी पड़ी वरना पिछले 12 वर्षों से तो लोगबाग केन्द्रीय रक्षामंत्री राजनाथ सिंह की पूर्व में कही बात को ही सच मान बैठे थे कि यह अलग मिजाज की सरकार है, यहां इस्तीफा

नहीं होता है। देश ने देखा कि चाहे विवाद में फंसे पर तत्कालीन राज्यमंत्री कोशल किशोर का मामला हो, बाहुबली ब्रजभूषण शरण सिंह का, अजय मिश्र देनी का अथवा हरदीप सिंह पुरी का, बिपक्ष के चौतरफा दबाव के बावजूद सरकार की सेहत पर कोई असर नहीं पड़ा। किसी का इस्तीफा नहीं हुआ लेकिन सीजेपी के एक धरने ने सरकार को सोचने के लिए विवश कर दिया।

काँकरोच नाम भले ही मजाकिया लगे पर इसके पीछे का गुस्सा और अनुभव बहुत गहरा है। काँकरोच का स्वभाव क्या है? वह अंधेरे में रहता है, गंदगी में पनपता है, रोशनी पड़ते ही भागता है, मारो तो और तेजी से फैलता है। सबसे बड़ी बात-उसकी प्रजाति कभी खत्म नहीं होती। यही दावा अभिजीत दीपके भी करते हैं।

सीजेपी का आगाज अच्छा रहा लेकिन अंजाम दिशाहीन हो गया लगता है। शिक्षामंत्री पद से धर्मेन्द्र प्रधान के इस्तीफे के बाद अभिजीत दीपके और उनकी टीम के नेता अपने को बिना चुनावी राजनीति में उलझे सुपर सरकार मानने लगे। विपक्षी पार्टियां भी मन से, बेमन से उनके पीछे-पीछे चलने लगीं। कारण यह कि विपक्ष सरकार के खिलाफ सड़क पर उतरकर आंदोलन करने की हालत में नहीं रह गया। यहां कार्यकर्ता कम नेता अधिक हो गए हैं। सीजेपी को यह स्पेस अच्छा दिखा। उसके नेता देशभर के स्कूलों की दशा सुधारने के लिए कई राज्यों में घूमने

लगे। राजस्थान में तो पिटे भी, मध्यप्रदेश और महाराष्ट्र में विरोध झेला। लेकिन उसके पहले झारखंड में छात्रों के आंदोलन से दूरी बना ली। पंजाब के स्कूलों की बेहदरी की बात करने लगे। इससे संदेह गहराया।

पड़ताल में पता चला कि सीजेपी के पुरे नेतृत्व का पूर्व में आम आदमी पार्टी से जुड़ाव रहा है। इससे सरकार को उन्हें घेरने का बढिया मौका मिल गया। उधर, गांहे बगाहे सीजेपी के लोग अदालतों के खिलाफ भी बेवजह की टिप्पणी करने लगे। इससे भी लोगों का मोहभंग हुआ।

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी पिछले सवा साल से चुनाव आयोग के खिलाफ मोर्चा खोले हुए थे लेकिन उन्हें विपक्षी दलों का भी भरपूर समर्थन नहीं मिलता था। बिहार में राष्ट्रीय जनता दल के नेता तेजस्वी यादव भले कुछ दिन राहुल के साथ चले लेकिन बाद के दिनों में चुनाव में टिकट बांटने और प्रचार कार्य में लगे रहे। उन्हें उम्मीद थी कि वह अकेले ही सरकार बना लेंगे। यही स्थिति पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी की थी। महाराष्ट्र में शरद पवार और संजय राउत सिर्फ एक्स पर बयान देकर अपना कर्तव्य निभा गए। दक्षिण और पूर्वोत्तर में भी यही हालात थे। अखबार में खबर छपने के बाद और चुनावों में बुरी तरह हार जाने के बाद विपक्ष गोलबंद हुआ। ऐसे में सीजेपी के नेताओं को लगा कि बहती गंगा में हाथ धो लें तो विपक्ष के सिरमौर हो जाएंगे।

उधर, पहले से तैयार सरकार काँकरोचों को नेस्तनाबूद करने के लिए तैयार बैठी थी। 10 अक्टूबर को अभिजीत दीपके, सौरभ दास और आशुतोष रांका को दिल्ली एयरपोर्ट पहुंचते गिरफ्तार कर लिया। दूसरे दिन रिहा किया तो शांति बनाए रखने की शर्तों के साथ बेल बांड भरवाकर छोड़ा। यही कारण है कि 14 अक्टूबर को दोबारा जंतर-मंतर पर गिरफ्तार होने के बाद सौरभ दास और आशुतोष रांका को जेल से जमानत मिलने में हफ्तेभर से ज्यादा समय लग गया। सीजेपी के एक और रणनीतिकार अकिंज्य शिंदे भी शर्तों के साथ बेल बांड भरकर ही बाहर आए हैं। इससे काँकरोच जनता पार्टी के सामने कई मुश्किलें दिख रही हैं।

दिल्ली हाईकोर्ट के न्यायाधीश ने उन्हें जेल जी मानने से इनकार कर दिया है। शर्तों के अनुसार आगे की आंदोलन के लिए उन्हें पुलिस की अनुमति लेनी होगी। पुलिस अनुमति देगी तो नए शर्तों के साथ देगी। शर्तों को तोड़ा तो फिर जेल जाना होगा। ऐसे में कानूनी बेड़ियों के साथ अब उनके लिए आंदोलन की राह और कठिन हो गई है।

इन सबके बीच बड़ा सवाल यह कि काँकरोच जनता पार्टी की कोशिशें बुलबुला बनकर रह जाएंगी अथवा सड़कों पर अराजकता फैलाकर देश के लोकतांत्रिक स्वरूप को अस्थिरता की वाढ़ में डुबो देंगी।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

चप्पलमार कल्चर के खिलाफ 'रेड हीट' का अहिंसक स्प्रे!

दिल्ली के पीतमपुरा में इस बार दशहरे का त्यौहार एकदम 'हाई-टेक' और 'लो-हाइजीन' के पयूनज जैसा था। मैदान में हमेशा की तरह रावण, कुंभकर्ण और मेघनाद के पुतले तो बेचारे सदियों पुरानी परंपरा निभा रहे थे लेकिन इस बार सबका ध्यान उनके बगल में खड़े एक 30 फीट ऊंचे चमचमते 'महा-काँकरोच' के पुतले ने खींच रखा था। जनता हैरान-परेशान थे कि प्रभु श्रीराम के तरकश में क्या अब 'हित' और 'बेयगॉन' के बाण भी आ गए हैं? पुतला दहन कमेटी के अध्यक्ष ने मंच से धांसू भाषण सेंकें, हृदेविशों ने संजन्मों! रावण तो साल में एक ही बार आता है और दशहरे के बाद चला जाता है, पर यह काँकरोच तो रोज हमारे सिस्टम की रसोई में घुसकर मलाई चाटता है। असल में, रावण की सेना का जो महा-भ्रष्ट 'गंदासुर' था, वही आज कलसुग में काँकरोच बनकर पैदा हुआ है। इसलिए इसका फुंकना बहुत जरूरी है! जैसे ही गंदासुर यानी तिलचट्टासुर के पुतले की पूंछ में आग लगी और वो 'पटाक-पटाक' कर फटने लगा, जनता ने ऐसे तालियां पीटीं जैसे सफ़ाई रुकी हुई सिब्बिडी सीधे बैंक खाते में आ गईं हो। अब जरा इस कहानी के दूसरे पहलू पर आइए। इधर पीतमपुरा के पार्क में

त्यंग्य

तिलचट्टासुर का पुतला स्वाहा हो रहा था, उधर देश के सबसे वीआईपी और बदबूदार पॉलिटिकल सोवर के भीतर फूल-आँन डीजे पार्टी चल रही थी। 'सुपर काँकरोच चिपके जी' अपने चमचों के साथ टीवी पर यह लाइव तमाशा देख रहे थे। राजनीति का सबसे पहला और आखिरी नियम यही है- बदनाम हुए तो क्या हुआ, प्राइम टाइम पर नाम तो हुआ! चिपके जी ने अपनी दोनों छह-इंच लंबी मूँछों पर ताव देते हुए ठहाका लगाया, रंरंरं ईंसानों, तुम हमारा पुतला क्या जलाओगे! इतिहास गवाह है कि तुम त्रेतायुग से आज तक हर साल रावण को फूँकते आ रहे हो, पर क्या रावण का बाल भी बांका हुआ? वह तो हर साल पुतला लेकर री-लॉन्च हो जाता है। हम तो फिर भी काँकरोच हैं बाँस! दुनिया पर साहे परमाणु हमला हो जाए या मंदी आ जाए, ईंसानों की नस्ल भले खत्म हो जाए लेकिन हमारी 'काँकरोच बचाओ पार्टी' की चिरकुट पॉलिटिक्स और उसकी गंदगी हमेशा अमर रहेगी! चिपके जी का यह 'मूँछतोड़' आत्मविश्वास देखकर नाले के बाकी छोटे-मोटे झोंगर और

कनखजूरे भी खुशी से अपनी मूँछें हिला-हिलाकर भांगड़ा करने लगे।

लेकिन चिपके जी शायद अति-आत्मविश्वास के नशे में यह भूल गए कि इंडियन पॉलिटिक्स में अगर एक तरफ से 'ऑल आउट' का विज्ञापन आता है, तो जनता दूसरी तरफ 'लक्ष्मण रेखा' खींचने के लिए चौंक उठा लेती है। काँकरोच बचाओ पार्टी के इस गंदे और अपराजेय साम्राज्य को सीधे पटखनी देने के लिए दिल्ली की चमचमाती सड़कों पर एक नई नवेली पार्टी ने हार्न बजाते हुए दस्तक दे दी है- 'रेड हीट जनता पार्टी'। इस पार्टी का इकलौता चुनावी वादा और वन-लाइनर घोषणापत्र है- र्काँकरोचों का संपूर्ण और वैज्ञानिक तरीके से सफाया! र्वाँसे तो हमारे भारतीय समाज में, खासकर मिडिल क्लास घरों में काँकरोचों से निपटने का एक सदियों पुराना, घरेलू और बेहद लोकप्रिय 'सर्जिकल स्ट्राइक' वाला इलाज रहा है- पैर से हवाई चप्पल निकालो, निशा-साधो और दे फटाक! एक ही शॉट में काँकरोच की अंतड़ी-गुदड़ी का ऐसा 'दही-भरला' बनता है कि उसका पूरा पॉलिटिकल करियर एक ही बार में 'ममफलाट' हो जाता है। लेकिन 'रेड हीट जनता पार्टी' ठहरी थोड़ी पढ़ी-लिखी और स्टैंडर्ड भी है थोड़ा इंटरनेशनल वाला। वे

इस देसी चप्पलमार कल्चर के सख्त खिलाफ हैं।

'रेड हीट जनता पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता ने आंखों पर चश्मा चढ़ाकर और गंभीर चेहरा बनाकर एक प्रेस कॉन्फ्रेंस बुलाई। उन्होंने कहा, र्भाइयों और बहनों! चप्पल से काँकरोच को बेरहमी से मारना घोर अमानवीय, बर्बर और असभ्य कृत्य है। इससे उनके 'तिलचट्टा अधिकारों' मतलब काँकरोच राइट्स का संरंआम कल हो जाता है। आखिर वे भी इसी पॉलिटिकल सोवर के वोटर हैं, हमारे भाई-बंधु हैं। हम ऐसा खुनी खेल नहीं खेलेंगे। इसलिए हमारी पार्टी ने एक अहिंसक, डिजिटल और आधुनिक रास्ता निकाला है- लाल रंग का 'हीट' स्प्रे! आप इन काँकरोच नेताओं पर गुस्सा मत करिए, उन पर 'दे फटाक' करके चप्पल मत चलाइए। बस बहुत ही प्यार और इज्जत से उनके चेहरों पर थोड़ा सा 'हीट' छिड़क दीजिए।

देखा जाए तो बात तकनीकी और सियासी दोनों रूप से एकदम सटीक है। चप्पल मारने से फर्श गंदा होता है, बाद में अंतड़ी-गुदड़ी साफ करने का धिनौना झंझट अलग से पालना पड़ता है। इसके विपरीत, 'रेड हीट' का छिड़काव होते ही काँकरोच को पहले

हल्का-सा नशा चढ़ेगा, वो थोड़ा लडखड़ाकर फिल्मी स्टाइल में अपनी मूँछें घुमाएगा, दो-चार बार गोल-गोल घूमेगा और फिर बिना किसी शोर-शराबे या धरने के, चुपचाप शांति से लोकतंत्र के हित में अपनी जान दे देगा। न गंदगी फैलेगी, न मानवाधिकार वाले छाती पीटेंगे।

इस पूरे मामले की सबसे मजेदार बात देखिए कि इधर चिपके जी अभी भी टीवी स्क्रीन पर अपनी फ्री की पब्लिसिटी देखकर मूँछों में मुस्कुरा रहे हैं और उधर देस की जागरूक जनता अपने हाथों में लाल रंग के सैनिटाइजिंग कैन लेकर उनके हेडक्वार्टर की तरफ धीरे-धीरे बढ़ रही है।

अब तो बस कुछ ही स्प्रे की बात है; जैसे ही इस पॉलिटिकल सोवर में 'रेड हीट' का छिड़काव पूरा होगा, वैसे ही इन जहरीले तिलचट्टों का काम तमाम हो जाएगा। उसके बाद आम जनता बड़ी नजाकत से इनकी मूँछ पकड़ेगी, इन्हें हवा में लहराएगी और सीधे इतिहास के बड़े वाले डस्टबिन में डाल आएगी। तब जाकर देश के लोकतंत्र की रसोई सचमुच साफ और सुरक्षित हो पाएगी!

- विनय के पाठक

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं)

मानगो के 14 छठ घाटों पर होगी विशेष व्यवस्था, सफाई से सुरक्षा तक की तैयारी शुरू

अपर नगर आयुक्त ने अधिकारियों को दिए निर्देश, घाटों पर गोताखोर, रोशनी, चेंजिंग रूम और पेयजल की होगी व्यवस्था

संवाददाता

जमशेदपुर : लोक आस्था के महापर्व छठ को लेकर मानगो नगर निगम क्षेत्र में तैयारियां शुरू हो गई हैं। अपर नगर आयुक्त जितेंद्र यादव ने निगम अधिकारियों के साथ बैठक कर सभी प्रमुख छठ घाटों पर साफ-सफाई और अन्य जरूरी व्यवस्थाएं समय पर पूरी करने का निर्देश दिया है। उन्होंने अधिकारियों को सोमवार तक सभी प्रमुख घाटों का स्थलीय निरीक्षण कर रिपोर्ट सौंपने को कहा है, ताकि समय रहते तैयारियां पूरी हो जा सकें। उन्होंने स्पष्ट किया कि तैयारियों में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं

भारतीय कला मंदिर में मां दुर्गा को पुष्पमाला व चुनरी अर्पित कर दी गई भावभीनी विदाई



संवाददाता

साहिबगंज : श्री श्री 108 चैती दुर्गा पूजा समिति भारतीय कला मंदिर सकरोगढ़,साहिबगंज की ओर से गुरुवार को दुर्गा प्रतिमा विसर्जन के दौरान विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया।इस अवसर पर मंदिर होकर गुजरने वाली सभी मां दुर्गा भवानी की प्रतिमाओं पर पुष्पमाला एवं चुनरी अर्पित की गई।इसके बाद भव्य आरती कर माता रानी को भावभीनी विदाई दी गई।कार्यक्रम में समिति के अध्यक्ष नवल किशोर मंडल,संरक्षक ओम जायसवाल एवं हेमंत ताती,सचिव विजय कुमार सिंह, कोषाध्यक्ष

सुरक्षा के लिए तैनात होंगे गोताखोर

: सभी प्रमुख घाटों पर गोताखोरों की तैनाती की जाएगी। गहरे पानी और खतरनाक हिस्सों को व्हिजित कर वहां लाल कपड़े और गुब्बारे लगाए जाएंगे, ताकि श्रद्धालु सतर्क रहें और किसी अप्रिय घटना से बचा जा सके।

नियंत्रण कक्ष और हेल्पडेस्क भी बनेगा

किसी भी आपात स्थिति में सहायता उपलब्ध कराने के लिए नगर निगम स्तर पर नियंत्रण कक्ष स्थापित किया जाएगा। इसके लिए हेल्पलाइन नंबर भी जारी किया जाएगा, ताकि लोग किसी भी समस्या या असुविधा की सूचना तत्काल दे सकें।

की जाएगी।

घाटों की सफाई और ब्लॉचिंग पाउडर का होगा छिड़काव: अपर नगर आयुक्त ने कहा कि वर्तमान में कई घाटों के आसपास गंदगी

मोबाइल शौचालय और पेयजल की सुविधा

व्रतियों और दूर-दराज से आने वाले श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए प्रमुख घाटों के पास अस्थायी मोबाइल शौचालय और पेयजल टैंकरों की व्यवस्था की जाएगी। नगर निगम प्रशासन का प्रयास है कि छठ पूजा के दौरान श्रद्धालुओं को स्वच्छता, सुरक्षा और बुनियादी सुविधाओं से जुड़ी किसी प्रकार की परेशानी न हो। बैठक में नगर निगम के सिटी मैनेजर, अभियंता, सुपरवाइजर समेत अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

बाद रास्तों और आसपास के क्षेत्रों में ब्लॉचिंग पाउडर का नियमित छिड़काव किया जाएगा। नगर निगम प्रशासन ने संबंधित अधिकारियों को सफाई और

रखरखाव की व्यवस्था दुरुस्त करने का निर्देश दिया है।

अपर नगर आयुक्त ने आम नागरिकों से भी मानगो नगर निगम को स्वच्छ और सुंदर बनाए रखने में सहयोग करने की अपील की है। उन्होंने लोगों से सड़कों और घाटों के आसपास कूड़ा-कचरा नहीं फेंकने का आग्रह किया।

मानगो में 14 प्रमुख छठ घाट

मानगो नगर निगम क्षेत्र में कुल 14 प्रमुख छठ घाट हैं। इनमें वर्कस कॉलेज छठ घाट, चाणक्यपुरी छठ घाट, इंटक वेल छठ घाट, बैकुंठ नगर छठ घाट, वास्तु विहार छठ घाट, लालजी छठ घाट (गौड़ बस्ती), साई

गढ़वा में नए मतदाताओं के 30,489 आवेदन, एक दिन में जमा हुए 398 फॉर्म-6

31 अक्टूबर तक नाम जोड़ने के लिए आवेदन का मौका, 30 नवंबर को प्रकाशित होगी अंतिम मतदाता सूची

संवाददाता

गढ़वा : मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआइआर)-2026 के तहत गढ़वा जिले में नए मतदाताओं के नाम जोड़ने की प्रक्रिया जारी है। 23 अक्टूबर को जिले में फॉर्म-6 के कुल 398 आवेदन प्राप्त हुए। इनमें भवनाथपुर विधानसभा क्षेत्र से 262 और गढ़वा विधानसभा क्षेत्र से 136 आवेदन शामिल हैं। इसके साथ ही जिले में नए मतदाताओं के नाम जोड़ने के लिए प्राप्त आवेदनों की कुल संख्या बढ़कर 30,489 हो गई है।

भवनाथपुर में मिले सबसे अधिक आवेदन: निर्वाचन संबंधी दैनिक रिपोर्ट के अनुसार, 22 अक्टूबर तक गढ़वा विधानसभा क्षेत्र में फॉर्म-6 के 14,294 आवेदन प्राप्त हुए थे। 23 अक्टूबर को यहां 136 नए आवेदन जमा किए गए।



वहीं, भवनाथपुर विधानसभा क्षेत्र में 22 अक्टूबर तक 15,797 आवेदन मिल चुके थे। 23 अक्टूबर को यहां 262 लोगों ने मतदाता सूची में नाम दर्ज करने के लिए आवेदन किया। इस तरह दोनों विधानसभा क्षेत्रों में नए मतदाताओं के नाम जोड़ने की प्रक्रिया लगातार जारी है।

31 अक्टूबर तक दावे-आपत्तियां दर्ज कराने का मौका: विशेष गहन पुनरीक्षण के तहत दावे और आपत्तियां प्राप्त करने की अंतिम तिथि 31 अक्टूबर निर्धारित की गई है। इस अवधि में

प्राप्त दावे-आपत्तियों का निष्पादन 23 नवंबर तक किया जाना है। इसके बाद 30 नवंबर को अंतिम मतदाता सूची प्रकाशित करने का कार्यक्रम निर्धारित है।

जिन पात्र नागरिकों का नाम मतदाता सूची में शामिल नहीं है, वे निर्धारित प्रक्रिया के तहत फॉर्म-6 भरकर नाम जोड़ने के लिए आवेदन कर सकते हैं। इसके लिए निर्धारित समयसीमा का ध्यान रखना जरूरी है।

फॉर्म-7 के एक और फॉर्म-8 के 75 आवेदन मिले: रिपोर्ट के अनुसार, 23 अक्टूबर को जिले में

बीसीसीएल के बंद स्कूल पर अवैध कब्जे का मामला, जांच शुरू

संवाददाता

बाघमारा। बीसीसीएल के बंद नेहरू बालिका उच्च विद्यालय परिसर पर कब्जा कर स्कूल संचालित करने के मामले में जिला प्रशासन ने संज्ञान लिया है। सामाजिक कार्यकर्ता जगत महतो ने बताया कि शिकायत के बाद प्रखंड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी मो. नसीम अख्तर खान ने 22 अक्टूबर को विद्यालय परिसर का निरीक्षण कर जांच शुरू की है।

आरोप है कि बीसीसीएल के बंद पड़े स्कूल भवन पर कुछ महिलाओं ने कब्जा कर लिया है और वहां फिर से स्कूल चलाया जा रहा है।

नियमों को दरकिनार कर बच्चों के नामांकन के लिए प्रचार किया जा रहा है, जिससे बच्चों के भविष्य पर असर पड़ने की आशंका जताई जा रही है।

इस मामले में बीसीसीएल प्रबंधन की ओर से बाघमारा थाने में प्राथमिकी भी दर्ज कराई गई है। इधर, संपूर्ण जन जागृति ऑर्गेनाइजेशन लगातार आंदोलन कर परिसर को मुक्त कराने और निष्पक्ष जांच की मांग कर रहा है।

जगत महतो ने प्रशासन से मांग की है कि जांच रिपोर्ट के आधार पर कानूनी कार्रवाई की जाए और बच्चों के शैक्षणिक हितों को सुरक्षित रखा जाए।

न्यूज़ IN व्रीफ

नशे के अवैध कारोबार पर कानूनी शिकंजा,बरहेट में कार से 900 शीशी कफ सिरप बरामद, एक कार जब्त



साहिबगंज/बरहेट : बरहेट बाजार में अवैध नशीले पदार्थों के खिलाफ कार्यवाही करते हुए पुलिस ने एक कार से 900 शीशी कफ सिरप बरामद किया है।पुलिस ने मौके से कार को जब्त कर लिया है। मामले में बरहेट थाना में प्राथमिकी दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है।बरहेट थाना परिसर में बरहरवा अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी नितिन खंडेलवाल ने प्रेस वार्ता के दौरान बताया कि 22 अक्टूबर को पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि बरहेट बाजार स्थित चौक मरिजद के सामने वाली गली में एक सिल्वर कारर की हुंडई आई-10 कार खड़ी है,जिसमें अवैध सामान लदा हुआ है।सूचना के सत्यापन के बाद पुलिस ने मौके पर पहुंचकर सशस्त्र बल की सहायता से कार की तलाशी ली।कार की तलाशी करते देख कुछ लोग फरार हो गए।तलाशी के दौरान कार से प्लास्टिक में पैक 10 डिब्बे बरामद किए गए। इनमें 30 पीस के एक बंडल में कुल 300 पीस तथा पांच कार्टन में प्रत्येक कार्टन में 30 पीस के बंडल में कुल 600 पीस कफ सिरप मिला।इस प्रकार कुल 900 पीस कफ सिरप बरामद किया गया।सभी शीशियों पर 100 मिलीलीटर अंकित था। बरामद कफ सिरप पर ओनेरेक्स नाम लिखा हुआ था।पुलिस ने कफ सिरप के साथ पश्चिम बंगाल की पंजीकरण संख्या डब्ल्यूबी-40एस-5431 वाली हुंडई आई-10 कार को जब्त कर थाना लाया।इस संबंध में बरहेट थाना कांड संख्या 128/26, 23 अक्टूबर 2026 के तहत स्वापक औषधि मन:प्रभावी पदार्थ अधिनियम तथा औषधि और प्रसाधन सामग्री अधिनियम की संबंधित धाराओं में मामला दर्ज किया गया है।वहीं दल में सहायक अवर निरीक्षक विक्रम कुमार,सहायक अवर निरीक्षक अरविंद कुमार दास,सहायक अवर निरीक्षक घनश्याम कुमार मंडल तथा बरहेट थाना के सशस्त्र बल और नव नियुक्त चौकीदार शामिल थे।पुलिस मामले की आगे की जांच कर रही है।

जिला प्रशासन के सहयोग से कारखाने में छापेमारी कर तीन बाल श्रमिकों को कराया गया मुक्त



साहिबगंज : मुफरिसल थाना अंतर्गत छोटी कोदरज्ना के आइसक्रीम फैक्ट्री में श्रम अधीक्षक महफूज अहमद के नेतृत्व में जिला बाल संरक्षण पदाधिकारी पुनम कुमारी श्रम प्रवर्तन अधिकारी,चाइल्ड हेल्थलाइन एवं मंथन संस्था द्वारा कारखाने में छापेमारी कर तीन बाल श्रमिकों को श्रम मुक्त कराया गया।धवा दल टीम द्वारा साहिबगंज के छोटी कोदरज्ना में स्थित फेक्ट्रेट नामक आइसक्रीम कारखाने में छापेमारी की गई।छापेमारी के दौरान कारखाने में अफरा तफरी मच गई मौके पर ही धावा दल द्वारा तीन बाल श्रमिकों को मजदूरी करते पकड़ा गया।हालांकि उक्त समय पर कारखाने मालिक वहां मौजूद नहीं थे।सभी सभी बच्चों को रेस्क्यू कर साहिबगंज बाल कल्याण समिति के समक्ष प्रस्तुत किया गया और कारखाना मालिक के ऊपर एफ आई आर दर्ज कर कानूनी प्रक्रिया की गई।वही बच्चों को काउंसलिंग भी प्रदान की किया गया।

वोट बचाओ देश बचाओ अभियान को लेकर जिला कांग्रेस ने की तैयारी बैठक

साहिबगंज : ।कांग्रेस के वोट बचाओ देश बचाओ अभियान के तहत 27 अक्टूबर को ऑल इंडिया कांग्रेस कमेटी के पर्यवेक्षक एवं मध्य प्रदेश मुरेन के विधायक दिनेश गुर्जर साहेबगंज पहुंचेंगे।उनके साहेबगंज आगमन एवं प्रस्तावित कार्यक्रम को लेकर शुक्रवार को जिला कांग्रेस कार्यालय में जिला अध्यक्ष बरकतुल्लाह खान की अध्यक्षता में महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई।बैठक में 27 अक्टूबर को दिनेश गुर्जर के नेतृत्व में होने वाली बैठक एवं अभियान की तैयारियों को लेकर विस्तार से चर्चा की गई।जिला कांग्रेस कमिटी की ओर से जिले के सभी प्रखंडों एवं संगठनात्मक इकाइयों से कांग्रेसजनों की अधिक से अधिक भागीदारी सुनिश्चित करने की रणनीति तैयार की गई।बैठक में आगामी एक नवंबर 2026 को नई दिल्ली के रामलीला मैदान में आयोजित वोट बचाओ देश बचाओ अभियान को लेकर भी चर्चा की गई।जिला कांग्रेस अध्यक्ष बरकतुल्लाह खान ने कहा कि 27 अक्टूबर को साहेबगंज पहुंच रहे ऑल इंडिया कांग्रेस कमेटी के पर्यवेक्षक दिनेश गुर्जर इसी अभियान को लेकर जिले के कांग्रेस पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं के साथ संवाद करेंगे। दिल्ली में होने वाले कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश देगे।उन्होंने बताया कि एक नवंबर के दिल्ली कार्यक्रम में साहेबगंज जिले से सैकड़ों की संख्या में कांग्रेसजन शामिल होंगे।इसके लिए प्रखंड एवं संगठन स्तर पर कार्यकर्ताओं को तैयार किया जा रहा है।बैठक में बासुकीनाथयादवमो.कलीमुद्दीन,उमेश पाण्डेय,सुनील पासवान,सरफराज आलम,अली कुरैशी,जामुन दास,सबदुल अंसारी,मो.साईद,सुरज पासवान,उदय पासवान,लोकनाथ यादव सहित प्रखंड एवं विभिन्न प्रकोष्ठों के पदाधिकारी गण उपस्थित थे।

4 नवंबर को होगा प्रखंड स्तरीय शहीद स्मारक फुटबॉल टूर्नामेंट का फाइनल मुकाबला

महुआंडांड (लातेहार)। प्रखंड स्तरीय शहीद स्मारक फुटबॉल नॉकआउट टूर्नामेंट का फाइनल मुकाबला आगामी 4 नवंबर 2026,पुष्पवार को आयोजित किया जाएगा। इस रोमांचक मुकाबले का उद्घाटन मुख्य अतिथि मंत्रीका विधानसभा क्षेत्र के विधायक रामचंद्र सिंह करेंगे। फाइनल मैच को लेकर खेल प्रेमियों और फुटबॉल खिलाड़ियों में उत्साह का माहौल रहने की उम्मीद है। फाइनल मुकाबले में विजिद अतिथि के रूप में अनुमंडल पदाधिकारी सुलेमान मुंडरी, डीएसपी पूजा कुमारी, प्रखंड विकास पदाधिकारी संतोष बैठा, थाना प्रभारी अमित कुमार रविदास तथा फादर दिलीप सहित क्षेत्र के विभिन्न जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहेंगे। आयोजित फाइनल मैच महुआंडांड स्थित आवासीय विद्यालय स्टेडियम में दोपहर 2 बजे से शुरू होगा। टूर्नामेंट के फाइनल मुकाबले को सफल बनाने के लिए खेल प्रेमियों और स्थानीय लोगों में विशेष उत्साह देखा जा रहा है।

रेलवे अंडरपास नहीं होने से रेभनाडीह के ग्रामीणों की बढ़ी मुसीबत

मालगाड़ी के नीचे से रेंगकर पटरी पार करने को मजबूर लोग

संवाददाता

कोडरमा : जिले के जयनगर प्रखंड अंतर्गत हीरोडीह पंचायत के रेभनाडीह गांव में रेलवे अंडरपास नहीं होने से ग्रामीणों की परेशानी गंभीर बनी हुई है। स्थिति का जायजा लेने पहुंचे झारखंड राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग के अध्यक्ष एवं बरकट्टा के पूर्व विधायक जानकी प्रसाद यादव को भी घंटों इंतजार के बाद मजबूरी में लूप लाइन में खड़ी मालगाड़ी के नीचे से बैठकर रेंगते हुए रेलवे लाइन पार करनी पड़ी। इस घटना ने क्षेत्र में सुरक्षित आवागमन की समस्या को उजागर कर दिया है। जानकी प्रसाद यादव ने कहा कि रेलवे लाइन के दोनों ओर ग्रामीणों



की खेती की जमीन है। रेलवे दोहरीकरण के दौरान जमीन अधिग्रहण के बाद गांव दो हिस्सों में बंट गया है। रेलवे की लोहे की चादर वाली बाउंड्री के कारण

लोगों को टेढ़े होकर निकलना पड़ता है। इससे स्कूली बच्चों, बुजुर्गों, युवाओं और पशुओं के आवागमन में भारी परेशानी हो रही है। उन्होंने कहा कि रेभनाडीह सहित आसपास के दर्जनों गांवों के लोगों के लिए कोडरमा जिला मुख्यालय और झुमरी तिलैया बाजार आने-जाने में यह मार्ग बेहद महत्वपूर्ण है। इसके बावजूद वर्षों से रेलवे अंडरपास की मांग पूरी नहीं हुई है। यादव ने बताया कि विधायक रहते हुए भी उन्होंने रेल मंत्री से मिलकर इस समस्या के समाधान के लिए जामुन सौंपा था। फुट ओवरब्रिज बनने के बावजूद अंडरपास के बिना ग्रामीणों की समस्या का स्थायी समाधान संभव नहीं है। डीआरएम

से तत्काल स्थल निरीक्षण की मांग: जानकी प्रसाद यादव ने धनबाद रेल मंडल के डीआरएम और सीनियर डीएमई से उच्चस्तरीय टीम गठित कर रेभनाडीह गांव का तत्काल निरीक्षण कराने तथा रेलवे अंडरपास निर्माण की दिशा में ठोस पहल करने की मांग की। उन्होंने चेतावनी दी कि समय रहते समस्या का समाधान नहीं हुआ तो कभी भी बड़ी दुर्घटना हो सकती है। साथ ही ग्रामीणों में बढ़ते आक्रोश के कारण जनआंदोलन की स्थिति उत्पन्न होने की आशंका जताई। उन्होंने कहा कि हजारों लोगों की सुरक्षा और सुविधा सुनिश्चित करना रेल प्रशासन की जिम्मेदारी है।

साहिबगंज महाविद्यालय के 75 वर्ष पूरे होने पर समारोह की तैयारियों को लेकर बैठक

संवाददाता

साहिबगंज : साहिबगंज महाविद्यालय के 75 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में आगामी 27 और 28 दिसंबर 2026 को आयोजित होने वाले प्लैटिनम जुवली समारोह की तैयारियों को लेकर शुक्रवार को साहिबगंज महाविद्यालय में बैठक महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ.रंजीत कुमार सिंह की अध्यक्षता मे किया गया।बैठक में महाविद्यालय के पूर्ववर्ती छात्र-छात्राओं व जिले के प्रबुद्धजनों ने भाग लेकर समारोह को भव्य और यादगार बनाने के लिए अपने सुझाव दिए।बैठक में समारोह की रूपरेखा तैयार करने शैक्षणिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों के आयोजन तथा महाविद्यालय की गौरवशाली शैक्षणिक यात्रा और उपलब्धियों



को प्रदर्शित करने सहित विभिन्न बिंदुओं पर विस्तार से चर्चा की गई।उपस्थित लोगों ने कहा कि साहिबगंज महाविद्यालय केवल उच्च शिक्षा का केंद्र ही नहीं बल्कि जिले की शैक्षणिक सामाजिक और सांस्कृतिक पहचान का महत्वपूर्ण हिस्सा भी

है।महाविद्यालय ने सात दशकों से अधिक की यात्रा में हजारों विद्यार्थियों के भविष्य को दिशा देने के साथ समाज के विकास में अहम योगदान दिया है।कार्यक्रम के समन्वयक एवं इतिहास विभाग के सहायक प्राध्यापक डॉ. दिनेश कुमार यादव ने दो दिवसीय

समारोह की प्रस्तावित रूपरेखा से सभी उपस्थित लोगों को विस्तारपूर्वक अवगत कराया।वहीं अंग्रेजी विभाग के सहायक प्राध्यापक डॉ.संतोष कुमार चौधरी ने समारोह के दौरान महाविद्यालय के पूर्व प्राचार्यों सेवानिवृत्त प्राध्यापकों तथा यहां से शिक्षा प्राप्त



मां बनने के बाद काम पर लौटीं दियाका त्रिपाठी, बोलीं-

बाउंस बैक जैसा कुछ नहीं होता

दियाका त्रिपाठी ने कहा, ‘इस स्टेज पर बच्चों को संभालना आसान है, क्योंकि अभी बस वह सोते और खाते हैं लेकिन मुझे पता है कि अब उनके घुटनों के बल चलने का समय आगा। उन्होंने धीरे-धीरे खुद को आगे बढ़ाना शुरू कर दिया है। मेरे लिए तो उन्हें दो से चार मिनट के लिए भी अकेला छोड़ना मुश्किल है। इसलिए मुझे उन्हें सेट पर भी साथ ले जाना पड़ता है। हालांकि, यह आसान नहीं है। अभिनेत्री ने बताया कि लोगों को इस बात पर भी हैरानी होती है कि वो इतनी जल्दी काम पर कैसे लौट आईं। उन्होंने कहा, ‘मैं हमेशा कहती हूँ कि महिलाएँ ऐसे ही ‘बाउंस बैक’ नहीं कर लेतीं। देखिए, ऐसा बिल्कुल भी नहीं है। भले ही हम एक्ट्रेस कैमरे के सामने हंसती-मुस्कराती दिखती हैं लेकिन शरीर के अंदर दर्द, थकान और दिमाग में कन्फ्यूजन जैसा रहता है।’ अभिनेत्री का कहना है कि उन्हें काम पर लौटने की जरूरत नहीं थी लेकिन वे फिर भी लौटीं। क्योंकि एक मां के लिए घर पर बैठना भी आसान नहीं और काम करना भी आसान नहीं। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि मां बनने के बाद काम पर लौटने को लेकर महिलाओं की तुलना एक-दूसरे से नहीं करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि हर किसी की परिस्थितियाँ अलग होती हैं, इसलिए महिलाओं को किसी और के अनुभव के दबाव में आने के बजाय अपनी जानी पर भरोसा करना चाहिए। उन्होंने कहा, ‘मैं ये इसलिए कह रही हूँ ताकि कोई भी एक महिला की तुलना दूसरी से न करे और ये न कहे कि ‘अरे दियाका ने कर लिया।’ नहीं, ये सबके लिए मुश्किल है। हर कोई अपने हिसाब से काम पर लौटता है। तो आप भी अपनी गति से चलें और मैं भी अपनी गति से चल रही हूँ।’ इसी के साथ ही, अभिनेत्री ने परिवार और पति का भी

अभिनेत्री दियाका त्रिपाठी इन दिनों पति विवेक दहिया के साथ कपल रियलिटी शो ‘पति पत्नी और पंगा’ में नजर आ रही हैं। अभिनेत्री ने हाल ही में जुड़वा बच्चों के जन्म के बाद काम करने की चुनौतियों पर बात की। अभिनेत्री ने बताया कि बच्चों को कुछ समय के लिए अकेले छोड़ना बहुत मुश्किल हो गया है, क्योंकि वे बड़े हो रहे हैं और अपने आसपास की चीजों को एक्सप्लोर कर रहे हैं। अभिनेत्री ने यह भी बताया कि जैसे-जैसे बच्चे बड़े हो रहे हैं, उनकी देखभाल का अनुभव भी बदल रहा है।

शुक्रिया अदा किया, जिन्होंने उनके मां बनने के साथ-साथ काम को भी संभालने का हैसला दिया। अभिनेत्री ने कहा, ‘मैं बहुत हिम्मत दिखा रही हूँ लेकिन इसके पीछे की वजह विवेक हैं, वे हर पल मेरे साथ खड़े रहते हैं। मेरी फैमिली मुझसे कहती है, ‘तू कर लेगी। ये मत सोचती रह कि इंतजार करना चाहिए या नहीं, अगर इंतजार करती रही तो कभी शुरू ही नहीं कर पाएगी।’ मुझे भी लगता है कि काम करना हमारे मेंटल हेल्थ के लिए अच्छा है। आपके साथ रहना मेरे मेंटल हेल्थ के लिए अच्छा है।’

रणवीर कपूर की ‘रामायण’ में

जटायु के रूप में दिखेंगे अनुपम खेर

रणवीर कपूर की फिल्म ‘रामायण’ को लेकर दर्शकों की एक्साइटमेंट लगातार बढ़ रही है। अब फिल्म के मेकर्स ने जटायु के किरदार का पहला पोस्टर जारी किया है। फिल्म में जटायु के किरदार को एक्टर अनुपम खेर अपनी आवाज देंगे। ‘द विंग्स ऑफ धर्मा’ टाइटल वाले इस पोस्टर में जटायु की तेज नजरों की झलक दिखाई गई है। वहीं, दूसरे विजुअल में जटायु अपने विशाल पंख फैलाए नजर आ रहे हैं। मेकर्स फिल्म के अलग-अलग किरदारों के पोस्टर जारी कर रहे हैं और इसी कड़ी में जटायु का लुक सामने आया है। मेकर्स ने सोशल मीडिया पर पोस्टर शेयर करते हुए लिखा, ‘‘जब बुराई ने उड़ान भरी, तो उसका सामना करने के लिए साहस खड़ा हुआ। उसने जीत के लिए नहीं, बल्कि सही के लिए लड़ाई लड़ी। जटायु। द विंग्स ऑफ धर्मा। ‘रामायण’ में जटायु के रूप में अनुपम खेर। रामायण की कहानी में जटायु का किरदार साहस, बलिदान और धर्म की मिसाल माना जाता है। जब रावण माता सीता का हरण करके उन्हें लंका ले जा रहा था, तब जटायु ने उसे रोकने की कोशिश की थी। वह जानते थे कि रावण से मुकाबला करना आसान नहीं होगा, इसके बावजूद उन्होंने सीता को बचाने के लिए उससे युद्ध किया। इस दौरान जटायु गंभीर रूप से घायल हो गए, लेकिन उन्होंने अपनी आखिरी सांसों तक धर्म का साथ नहीं छोड़ा। इससे पहले मेकर्स फिल्म से भगवान राम, कैकेयी और कुछ अन्य किरदारों के पोस्टर भी जारी कर चुके हैं। फिल्म में रणवीर कपूर भगवान राम, साई पल्लवी माता सीता, यश रावण, सनी देओल हनुमान और रवि दुबे लक्ष्मण के किरदार में नजर आएंगे।



दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दूसरे टेस्ट में हार पर बोले ट्रेविस हेड-बड़ी साझेदारियां बनाना जरूरी

केपटाउन। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ गंकेबरहा टेस्ट में हार के बाद ऑस्ट्रेलिया के सलामी बल्लेबाज ट्रेविस हेड ने टीम की बल्लेबाजी में सामूहिक योगदान की कमी पर चिंता जताई है। उन्होंने कहा कि पिछले कुछ महीनों में अलग-अलग बल्लेबाजों ने अच्छी पारियां खेली हैं, लेकिन टीम बड़ी साझेदारियां बनाने में नाकाम रही है। हेड को उम्मीद है कि न्यूलैंड्स में होने वाले अगले टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया इस कमजोरी को दूर करेगा। गंकेबरहा टेस्ट में मिली हार पर हेड ने क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया से बातचीत में बेबाक अंदाज में कहा, हहमारा एक दिन बेहद खराब रहा। अगर हम 99 रन पर आउट नहीं हुए होते, तो बहुत संभव था कि टेस्ट ड्रॉ हो जाता। हमने क्या गलत किया, यह बिल्कुल स्पष्ट है।ह उन्होंने यह भी स्वीकार किया कि एक मजबूत ऑस्ट्रेलियाई टीम का पूरा सप्ताह खराब रहा। बांग्लादेश और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ खेले गए चार टेस्ट मैचों की सात पारियों में छह बार ऑस्ट्रेलिया के किसी बल्लेबाज ने 50 या उससे अधिक रन बनाए। हेड ने गंकेबरहा में 121 रन की पारी खेली। इससे पहले कैमरन ग्रीन ने डार्विन में 104 और मैक में 67 रन बनाए थे। मैथ्यू रेनशॉ ने डरबन में 190 और 82 रन की पारियां खेलीं, जबकि स्टीव स्मिथ ने डार्विन में

गंकेबरहा टेस्ट में 99 रन पर सिमटने से मिली हार, न्यूलैंड्स टेस्ट में बल्लेबाजी सुधारने पर जोर



दूसरी पारी में 71 रन बनाए। हालांकि, इन प्रदर्शनों के बावजूद टीम को लगातार सामूहिक सफलता नहीं मिली। गंकेबरहा में ऑस्ट्रेलिया की एक पारी 99 रन पर सिमट गई, जिसमें स्मिथ का 28 रन सर्वोच्च स्कोर था। हेड ने कहा, हहमने इस सीरीज से पहले भी इस बारे में बात की थी। हर बार एक अलग खिलाड़ी ने अच्छा प्रदर्शन किया, लेकिन हम टीम के रूप में वैसी सामूहिक बल्लेबाजी नहीं कर पाए, जैसी हमें चाहिए।ह

उन्होंने कहा कि रेनशॉ की पिछली सप्ताह की पारी शानदार थी और ऐसे व्यक्तिगत प्रदर्शन मैच जिताने में अहम होते हैं। हालांकि, उन्होंने जोर दिया कि बाकी बल्लेबाजों का सहयोग भी उतना ही जरूरी है। हेड के मुताबिक, हाल के टेस्ट मैचों में शीर्ष पांच बल्लेबाजों के बीच बड़ी साझेदारियों की कमी साफ दिखाई दी है। गंकेबरहा की दूसरी पारी में हेड और मार्नस लाबुशेन के बीच 92 रन की साझेदारी शीर्ष पांच बल्लेबाजों के बीच 50 या उससे

अधिक रन की केवल चौथी साझेदारी थी। इसके विपरीत, पिछली एशेज सीरीज में ऑस्ट्रेलिया ने जिन चार टेस्ट मैचों में जीत हासिल की थी, उनमें प्रत्येक में शीर्ष पांच बल्लेबाजों के बीच कम से कम 80 रन की साझेदारी बनी थी। हेड ने कहा, हलंबे समय से बड़ी साझेदारियां बनाना हमारी टीम की ताकत रही है। इससे मैच जीते जाते हैं, लेकिन पिछले कुछ महीनों में हम ऐसा नहीं कर पाए हैं। इसकी वजह बताना मुश्किल है। हम चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में बेहतरीन गेंदबाजी आक्रमणों का सामना कर रहे हैं, लेकिन ऐसा नहीं है कि हम प्रयास नहीं कर रहे। गंकेबरहा में हेड ने 155 गेंदों पर शतक पूरा किया। यह 2019 में अपने शुरूआती दो टेस्ट शतकों के बाद उनका सबसे धीमा शतक था। उन्होंने कहा कि लगातार गेंदबाजी करने के कारण थके हुए गेंदबाजों का सामना करने से उन्हें मदद मिली। कैमरन ग्रीन और जोश इंग्लिस की उपलब्धता के बीच अगले टेस्ट के लिए ऑस्ट्रेलिया के शीर्ष क्रम में बदलाव की चर्चा है। रेनशॉ की वापसी से हेड के साथ पारी की शुरूआत करने का विकल्प बन सकता है, जबकि ग्रीन को टीम में जगह मिल सकती है। बल्लेबाजी क्रम के बारे में हेड ने कहा, हहमुझे पहले और पांचवें नंबर पर बल्लेबाजी करने में कोई अंतर नहीं दिखता।



पैरा एशियाई खेलों में भारत का ऐतिहासिक शिखर

114 पदकों से रचा नया इतिहास

नई दिल्ली। जापान के आइची-नागोया में आयोजित पैरा एशियाई खेल 2026 में भारतीय खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए इतिहास रच दिया। भारतीय दल ने प्रतियोगिता के आखिरी दिन शुक्रवार को 9 स्वर्ण पदक जीतकर अपने अभियान का समापन कुल 114 पदकों के साथ किया। इसमें 30 स्वर्ण, 35 रजत और 49 कांस्य पदक शामिल रहे। भारत का यह इन खेलों में अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। भारतीय खिलाड़ियों ने एथलेटिक्स, पैरा बैडमिंटन, पैरा तीरंदाजी और पैरा निशानेबाजी में अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया। भारत ने 2023 में हांगझोऊ में आयोजित पिछले पैरा एशियाई खेलों के अपने पदक प्रदर्शन को पीछे छोड़ दिया। पिछले संस्करण में भारत ने 111 पदक (29 स्वर्ण, 31 रजत और 51 कांस्य) पदक



जीते थे। इस बार भारत ने 168 खिलाड़ियों का दल उतारा था, जो पिछले संस्करण में हिस्सा लेने वाले भारतीय दल की तुलना में काफी छोटा था। पिछले संस्करण में भारत ने 303 (191 पुरुष और 112 महिला खिलाड़ी) खिलाड़ियों का दल उतारा था। इसके बावजूद खिलाड़ियों ने पदकों की संख्या और स्वर्ण पदकों के मामले में नया मानक स्थापित किया। प्रतियोगिता के दौरान भारत पदक तालिका में चौथे स्थान पर रहा।

एथलेटिक्स में पदकों की बारिश, सुमित अतिल ने दिलाया स्वर्ण

भारतीय एथलीटों ने एक बार फिर देश के पदक अभियान में सबसे बड़ा योगदान दिया। एथलेटिक्स में भारत ने कुल 65 पदक जीते। आखिरी दिन भाला फेंक में सुमित अतिल ने स्वर्ण पदक जीतकर भारतीय तिरंगे का गौरव बढ़ाया। पैरालंपिक और विश्व चैंपियन सुमित ने पुरुषों की संयुक्त वर्ग स्पर्धा में 72.46 मीटर भाला फेंककर अपना खिताब बरकरार रखा। इस स्पर्धा में भारत ने तीनों पदक अपने नाम किए। महेंद्र गुर्जर ने 59.03 मीटर के प्रदर्शन के साथ रजत, जबकि संदीप संजय सरदार ने 64.48 मीटर भाला फेंककर कांस्य पदक जीता। संयुक्त वर्ग की इस स्पर्धा में खिलाड़ियों की अलग-अलग श्रेणियों के अनुसार निर्धारित अंकों के आधार पर अंतिम क्रम तय किया गया। पुरुषों की वलंब थ्रो एफ-51 स्पर्धा में प्रणव सुरमा ने 32.87 मीटर के खेल रिकॉर्ड प्रदर्शन के साथ स्वर्ण पदक जीता। धरमवीर ने 27.71 मीटर के प्रदर्शन के साथ कांस्य पदक हासिल किया। पुरुषों की 400 मीटर टी-64 दौड़ में संदीप ने 52.28 सेकंड का समय निकालकर स्वर्ण पदक जीतने के साथ विश्व रिकॉर्ड बनाया। इसी स्पर्धा में अजय कुमार ने 53.61 सेकंड के खेल रिकॉर्ड समय के साथ कांस्य पदक जीता। पुरुषों की भाला फेंक एफ-37/38 स्पर्धा में हनेय ने 60.49 मीटर का विश्व रिकॉर्ड प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक अपने नाम किया। वहीं, पुरुषों की भाला फेंक एफ-40/41 स्पर्धा में नवदीप ने 42.55 मीटर के प्रदर्शन के साथ कांस्य पदक जीता। राकेशभाई भट्ट ने पुरुषों की 200 मीटर टी-37 दौड़ में कांस्य पदक हासिल किया। संदीप ने पुरुषों की 100 मीटर टी-44 दौड़ में 11.67 सेकंड के समय के साथ कांस्य पदक जीतकर अपने अभियान का समापन किया।



नेहा बहुत टैलेंटेड हैं: अर्जुन

अभिनेता अर्जुन बिजलानी इन दिनों पत्नी नेहा स्वामी के साथ कपल रियलिटी शो ‘धमाल विद पति पत्नी और पंगा सीजन 2’ में नजर आ रहे हैं। कपल ने बातचीत में शो को लेकर अपनी उत्सुकता जाहिर की। अर्जुन बिजलानी ने बातचीत में नेहा और अपनी जोड़ी को आइडियल कपल बताया। उन्होंने कहा, ‘‘धमाल विद पति पत्नी और पंगा सीजन 2’ एक एंटरटेनिंग शो है। सच कहूं, तो मुझे नेहा के साथ शो करना भी था

क्योंकि वह बहुत टैलेंटेड हैं और उनके साथ शो करने में मजा, मस्ती, धमाल और बहुत सारे पगे भी होंगे।’ उन्होंने कहा, ‘मुझे लगता है कि ‘धमाल विद पति पत्नी और पंगा सीजन 2’ के लिए हम एक आइडियल कपल हैं। इसीलिए हमने शो के लिए हां कहा।’ अभिनेता अर्जुन बिजलानी की पत्नी नेहा स्वामी ने शो के लिए उत्सुकता जाहिर करते हुए कहा कि इस शो के जरिए उन्हें

अर्जुन बिजलानी के साथ ज्यादा समय बिताने का अवसर मिला। नेहा ने कहा, ‘अर्जुन बहुत व्यस्त रहता है, तो हमने सोचा कि इस शो में हम साथ में समय बिताएंगे और शो बहुत अलग है। इसे करके हमें मजा आ रहा है और मस्ती, पंगा करने का पूरा मौका मिल रहा है। शूट में जाने से पहले हमें बहुत उत्सुकता रहती है और मैं, तो सोचती रहती हूँ कि शूट पर जाकर और अर्जुन के साथ पगे करूंगी।’

अभिनेता अर्जुन बिजलानी और नेहा स्वामी की पहली मुलाकात किसी क्लोज फ्रेंड के यहां हुई थी, जहां अर्जुन अपने एक दोस्त के साथ गए थे। काफी समय तक एक-दूसरे को डेट करने के बाद उन्होंने शादी का फैसला किया था और 20 मई 2013 में शादी की थी। कपल का एक बेटा है, जिसका नाम अयान बिजलानी है। हालांकि, बीच में दोनों के तलाक की खबरें उड़ी थीं लेकिन अभिनेता अर्जुन ने स्पष्ट कर सभी बताया कि उनकी शादी बहुत अच्छी चल रही है। नेहा स्वामी पहले मॉडल और एक्ट्रेस रह चुकी हैं और टीवी शो ‘काली एक पुनर्जन्म’ में नजर आ चुकी हैं। शादी के बाद उन्होंने अपना पूरा ध्यान परिवार पर केंद्रित कर दिया।

अक्षय कुमार की साइंस फिक्शन ‘समुक’ में इस हसीना की एंट्री

‘द केरल स्टोरी’ बनाने वाले फिल्ममेकर विपुल अमृतलाल शाह की अगली फिल्म ‘समुक’ है। इस फिल्म में लीड रोल में अक्षय कुमार हैं। फिल्म के ऐलान से ही इसकी कास्टिंग को लेकर लोगों के बीच काफी एक्साइटमेंट है। अब साइंस-फिक्शन एक्शन थ्रिलर की हीरोइन कौन होंगी? इसे लेकर अपडेट सामने आया है। अक्षय कुमार की फिल्म ‘समुक’ एक साइंस फिक्शन एक्शन थ्रिलर फिल्म है जिसे विपुल अमृतलाल शाह लेकर आ रहे हैं। जबसे फिल्म का ऐलान हुआ है, तबसे हर किसी की नजर इसकी लीड हीरोइन पर है। अब कास्टिंग को लेकर बड़ा अपडेट सामने आया है। दरअसल समुक फिल्म से बनिता संघू का नाम भी जुड़ गया है। खबरों के मुताबिक, एक्ट्रेस बनिता संघू जिन्हें अब तक फैस ने वरुण धवन की अक्टूबर में देखा था। अब उनकी जोड़ी अक्षय कुमार के साथ बनती दिख रही हैं। वह साइंस-फिक्शन एक्शन-सर्वाइवल थ्रिलर का हिस्सा हैं। सूत्रों के अनुसार, कनिष्क वर्मा के निर्देशन में बन रही इस फिल्म में बनिता एक अहम भूमिका निभाती नजर आएंगी।



वाराणसी में मेगा एयर शो : दूसरे दिन राफेल-तेजस समेत लड़ाकू विमानों ने दिखाए हैरतअंगोज करतब

एजेंसी

वाराणसी। भारतीय वायु सेना की 94वीं वर्षगांठ के मौके पर वाराणसी के नमो घाट पर आयोजित तीन दिवसीय मेगा एयर शो के दूसरे दिन शनिवार को हेलीकॉप्टरों और लड़ाकू विमानों की गड़गड़ाहट से आसमान गूंज उठा। गंगा नदी के ऊपर विमानों के हैरतअंगेज हवाई करतब देखने के लिए बड़ी संख्या में लोग जुटे। जीटी रोड पर भी दर्शकों की भीड़ उमड़ी। वहीं, गंगा के दूसरी ओर डोमरी क्षेत्र में भी बड़ी संख्या में लोग हवाई प्रदर्शन देखने पहुंचे। गंगा के ऊपर सुखोई-30



एमकेआई, राफेल, जगुआर, मिराज-2000, एलसीए तेजस

और मिग-29 विमानों ने एरोहेड फॉर्मेशन में उड़ान भरकर दर्शकों

को रोमांचित कर दिया। नमो घाट सहित विभिन्न घाटों पर मौजूद

दर्शकों ने विमानों के शानदार करतब देखकर जमकर तालियां बजाईं और पायलटों का उत्साहवर्धन करते हुए उनकी ओर हाथ हिलाए।

प्रचंड फॉर्मेशन के माध्यम से भारतीय वायु सेना की अटूट युद्ध क्षमता, तत्परता और हवाई शक्ति का प्रदर्शन किया गया। इस दौरान स्वदेशी एलसीए तेजस विमान अपने ह्वाअस्सीढ्हा कॉलसाइन के साथ आकर्षण का प्रमुख केंद्र रहा।

तेजस ने कम ऊंचाई पर एरोबेटिक करतब दिखाकर दर्शकों में उत्साह भर दिया। राफेल लड़ाकू विमान का प्रदर्शन भी अपने अनूठे अंदाज और

रोमांचक करतबों के कारण विशेष आकर्षण का केंद्र बना रहा।

रक्षा मंत्रालय (प्रयागराज) के प्रवक्ता एवं जनसंपर्क अधिकारी (पीआरओ) देबाथों धर ने बताया कि रविवार, 25 अक्टूबर को वाराणसी के नमो घाट पर भारतीय वायु सेना का भव्य हवाई प्रदर्शन होगा। उन्होंने कहा कि मेगा एयर शो के पहले दो दिनों के प्रदर्शन से भी बेहतर और रोमांचक प्रदर्शन रविवार को अपराह्न में देखने को मिलेगा। इस विशेष अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह सहित कई प्रमुख गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति रहेगी।

राजस्थान के चूरु में ट्रक से टकराई कार एक ही परिवार के छह लोगों की मौत

एजेंसी

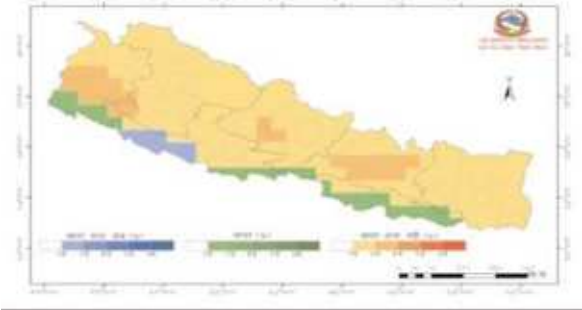
चूरु। राजस्थान के चूरु जिले में ट्रक से कार की टक्कर में एक ही परिवार के पांच सदस्यों और चालक की मौत हो गई। हादसे में सात माह की बच्ची गंभीर रूप से घायल हो गई। परिवार गोगामेड़ी में देवी के दर्शन करने जा रहा था। दुर्घटना की सूचना मिलते ही परिवार के गांव सोमसीसर सहित आसपास के क्षेत्र में शोक की लहर छा गई। प्रारम्भिक जानकारी के अनुसार, चूरु जिले के तारानगर क्षेत्र के सोमसीसर गांव का एक परिवार हनुमानगढ़ जिले के गोगामेड़ी में दर्शन करने के लिए रवाना हुआ था। परिवार के सदस्य कार में सवार होकर अपनी धार्मिक यात्रा पर जा रहे थे। इसी दौरान सादुलपुर क्षेत्र में दरेवा



गांव के पास कार आगे चल रहे ट्रक में जा घुसी। टक्कर इतनी भीषण थी कि कार सवारों को संभलने का मौका तक नहीं मिला। इस दुर्घटना में कार सवार छह लोगों की जान चली गई। मृतकों में सोमसीसर गांव निवासी भंवरलाल शर्मा, उनकी पत्नी महेन्द्र, बहू कविता, यशोदा, कविता का पुत्र कन्हैया और झाड़वर मांगीलाल शामिल हैं। हादसे में सात माह की बच्ची गंभीर रूप से घायल हो गई,

जिसे उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया गया। सूचना मिलने पर भंवरलाल के भाई मांगीलाल मौके पर पहुंचे और परिवार की पहचान की। हादसे की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को अस्पताल पहुंचाने की व्यवस्था की। दुर्घटना के बाद क्षेत्र में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। पुलिस हादसे से संबंधित परिस्थितियों की जांच कर रही है।

भारत में तूफान की संभावना को लेकर नेपाल में भी हाई अलर्ट



एजेंसी

काठमांडू। भारत में अगले हफ्ते शक्तिशाली तूफान आने की संभावना को देखते हुए नेपाल के मौसम विभाग ने यहां भी हाई अलर्ट जारी किया है। नेपाल मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार, बंगाल की खाड़ी के पूर्व-मध्य और उससे सटे दक्षिण-पूर्वी हिस्से में निम्न दबाव का क्षेत्र विकसित हुआ है। इसके प्रभाव से रेलवे सुरक्षा के प्रति जागरूक विकसित हुआ है। इसके प्रभाव से नेपाल का मौसम आगामी 11 से 15 नवंबर तक प्रभावित हो सकता है। विभाग ने बताया कि इस दौरान नेपाल के अधिकांश

क्षेत्र में भारी बारिश होने की संभावना है। हालांकि, मौसम महाशाखा ने कहा है कि इस प्रणाली के कारण नेपाल में होने वाली बारिश की मात्रा, जोखिम के स्तर और संभावित प्रभावों को देखते हुए हाई अलर्ट जारी किया गया है। आज सुबह जारी सूचना में मौसम विभाग ने कहा कि संभावित प्रतिकूल मौसम के कारण यातायात कृषि और पर्यटन क्षेत्रों पर असर पड़ सकता है। इसे देखते हुए संबंधित सभी लोगों और निकायों से सतर्क रहने की अपील की गई है।

ईरान की अमेरिका को चेतावनी : ‘फारस की खाड़ी में लौटने का सपना ही देख सकता है वॉशिंगटन’

एजेंसी

तेहरान। ईरान और अमेरिका के बीच सैन्य तनाव एक बार फिर बढ़ता नजर आ रहा है। ईरान के सशस्त्र बलों के जनरल स्टाफ प्रमुख मेजर जनरल अली अब्दुल्लाही ने अमेरिका को चेतावनी देते हुए कहा है कि वॉशिंगटन केवल फारस की खाड़ी में दोबारा अपनी सैन्य मौजूदगी स्थापित करने का सपना देख सकता है। उन्होंने दावा किया कि ईरानी सेना अमेरिकी नौसेना को इस रणनीतिक क्षेत्र में प्रवेश करने से रोकने के लिए तैयार है।

ईरान सरकार की अंतरराष्ट्रीय समाचार नेटवर्क प्रेस टीवी

के मुताबिक, अब्दुल्लाही ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के बयानों पर सवाल उठाते हुए कहा कि अमेरिका की सैन्य ताकत को लेकर किए जा रहे दावे और ईरान की क्षमताओं को लेकर



उसके आकलन में विरोधाभास है। हालांकि, अमेरिकी नौसेना की क्षमताओं और क्षेत्र में उसकी मौजूदगी को लेकर ईरानी कमांडर के दावों की स्वतंत्र पुष्टि आवश्यक है। ईरानी सैन्य प्रमुख ने कहा कि उनका देश किसी भी परिस्थिति में अमेरिकी सैन्य जहाजों को फारस की खाड़ी में प्रवेश करने की अनुमति नहीं देगा। उन्होंने दावा किया कि अमेरिकी नौसेना की क्षमताओं को ईरानी सैन्य कार्रवाई

से गंभीर नुकसान पहुंचा है।

अब्दुल्लाही ने कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति अपनी सेना और युद्धपोतों की इस क्षेत्र में वापसी की केवल कल्पना कर सकते हैं। उनके बयान से संकेत मिलता है कि तेहरान फारस की खाड़ी और आसपास के समुद्री क्षेत्रों में अमेरिकी सैन्य मौजूदगी का विरोध जारी रखना चाहता है। उन्होंने ट्रम्प के उन बयानों पर भी सवाल उठाया, जिनमें अमेरिकी

राष्ट्रपति ने दावा किया था कि ईरान की परमाणु सुविधाओं को नष्ट कर दिया गया है।

ईरानी कमांडर ने सवाल किया कि यदि परमाणु ठिकाने पूरी तरह नष्ट हो चुके हैं, तो अमेरिकी प्रशासन इस मुद्दे को बार-बार क्यों उठा रहा है? उन्होंने आरोप लगाया कि ऐसे बयानों का उद्देश्य अमेरिकी और अंतरराष्ट्रीय जनता को प्रभावित करना है।

अमेरिका लंबे समय से यह सुनिश्चित करने पर जोर देता रहा है कि ईरान परमाणु हथियार विकसित न करे। दूसरी ओर, तेहरान अपने परमाणु कार्यक्रम को कार्रवाई करने वाले कई आरोपों को खारिज करता रहा है।

फारस की खाड़ी से अरब सागर की ओर जाने वाला होर्मुज जलडमरूमध्य दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण समुद्री ऊर्जा मार्गों में शामिल है। इस रास्ते से बड़ी मात्रा में वैश्विक तेल और गैस का परिवहन होता है।

रेलवे सुरक्षा के लिए खुफिया आधारित पुलिसिंग और एजेंसियों के बीच समन्वय पर जोर

एजेंसी

नई दिल्ली । रेलवे सुरक्षा को मजबूत करने के लिए खुफिया आधारित पुलिसिंग, आधुनिक तकनीक के इस्तेमाल और रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ), राजकीय रेलवे पुलिस (जीआरपी) तथा राज्य पुलिस के बीच बेहतर समन्वय पर जोर दिया गया है। जीआरपी प्रमुखों के आठवें अखिल भारतीय सम्मेलन में दीपावली और छठ के दौरान भीड़ प्रबंधन, ट्रेनों पर पथरबाजी की रोकथाम और यात्रियों की शिकायतों के त्वरित निपटारे सहित विभिन्न सुरक्षा चुनौतियों पर चर्चा की गई। रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) की ओर से

आयोजित दो दिवसीय सम्मेलन शुक्रवार को नई दिल्ली में संपन्न हुआ। इसकी अध्यक्षता आरपीएफ की महानिदेशक सोनाली मिश्रा ने की। सम्मेलन में रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी सतीश कुमार, रेलवे बोर्ड के सदस्य और विभिन्न राज्यों एवं केंद्रशासित प्रदेशों के जीआरपी प्रमुख शामिल हुए। सम्मेलन के दौरान जीआरपी कर्मियों को रेल मदद मंच से जोड़ने की पहल प्रमुख रही। रेलवे सूचना प्रणाली केंद्र (क्रिस) ने इस मंच पर जीआरपी कर्मियों को शामिल किया है। इसका उद्देश्य यात्रियों की शिकायतों का निपटारा तेज करना, सूचनाओं का समय पर आदान-प्रदान सुनिश्चित करना और शिकायतों की निगरानी को

बेहतर बनाना है।

दक्षिण मध्य रेलवे ने अपने हार्पिक पेट्रोल : आसमान में नजर, जमीन पर शक्तिह्ण मॉडल को प्रस्तुत किया। इस पहल के तहत ड्रोन से निगरानी और त्वरित कार्रवाई करने वाली टीमां को ह्दशक्तिह्ण ढांचे के साथ जोड़ा गया है। सम्मेलन में इसे महिला नेतृत्व वाले सुरक्षा प्रयासों के उदाहरण के रूप में रेखांकित किया गया।

बैठक में ट्रेनों पर पथरबाजी की घटनाओं पर चिंता जाताते हुए संवेदनशील स्थानों पर गश्त बढ़ाने, निगरानी मजबूत करने और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने पर जोर दिया गया। इसके साथ ही युवाओं के बीच पर आदान-प्रदान सुनिश्चित करना तथा स्थानीय समुदायों को रोकथाम के

प्रयासों में शामिल करने की जरूरत पर भी चर्चा हुई।

त्योहारी सीजन में रेलवे स्टेशनों पर यात्रियों की भीड़ को नियंत्रित करने के उपायों पर भी विचार-विमर्श किया गया। उत्तर रेलवे के दिल्ली मंडल ने दिल्ली पुलिस, जीआरपी और दिल्ली मेट्रो के साथ समन्वय से किए जा रहे प्रबंधों की जानकारी दी। इनमें सीसीटीवी कैमरों से निगरानी, सार्वजनिक उद्घोषणा प्रणाली, बैरिकेडिंग, यात्रियों के लिए निर्धारित प्रतीक्षा क्षेत्र और नियंत्रण कक्ष शामिल हैं। सम्मेलन में अग्रिम योजना बनाने, यात्रियों की आवाजाही सुचारु रखने और सुरक्षा कर्मियों की समन्वित तैनाती पर जोर दिया गया।

मध्य रेलवे के पुणे मंडल ने

ह्दपरियोजना दिशाह्ण के बारे में जानकारी दी। इस पहल के तहत रेलवे पटरियों के आसपास रहने वाले बच्चों को शैक्षिक और मनोरंजक गतिविधियों तथा सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रमों के माध्यम से रेलवे सुरक्षा के प्रति जागरूक किया जाता है। गैर-सरकारी स्वयंसेवकों और स्थानीय समुदायों के लिए प्रोत्साहित किया जाता है।

सम्मेलन में आरपीएफ और जीआरपी के संयुक्त प्रशिक्षण, रेलवे में तोड़फोड़ की रोकथाम तथा जागरूकता अभियान चलाने तथा संबंधित सूचनाओं के त्वरित

आदान-प्रदान पर भी चर्चा हुई। डिजिटल साक्ष्यों के प्रबंधन, जांच प्रक्रियाओं में एकरूपता, खुफिया सूचनाएं साझा करने और जांच क्षमताओं को मजबूत करने की आवश्यकता रेखांकित की गई।

रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी सतीश कुमार ने कहा कि रेलवे की बदलती सुरक्षा चुनौतियों से निपटने के लिए रेलवे प्रशासन, आरपीएफ, जीआरपी और राज्य पुलिस के बीच समन्वित प्रयास, तकनीकी प्रगति और नवाचार जरूरी हैं। उन्होंने यात्रियों का विश्वास बढ़ाने, पुलिसिंग को विनम्र और पेशेवर बनाने तथा प्रौद्योगिकी के इस्तेमाल से परिचालन दक्षता में सुधार करने पर भी जोर दिया।

भारी बारिश से कोयंबटूर के पश्चिमी घाट में कोवई कुट्टालम इको-टूरिज्म केंद्र अस्थायी रूप से बंद

कोयंबटूर । तमिलनाडु के कोयंबटूर जिले में पश्चिमी घाट के पहाड़ी इलाकों में हो रही भारी बारिश के कारण कोवई कुट्टालम झरने का जलस्तर और बहाव बढ़ गया है। पर्यटकों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए वन विभाग ने 24 अक्टूबर को कोवई कुट्टालम इको-टूरिज्म केंद्र को अस्थायी रूप से बंद रखने का फैसला किया है। वन विभाग के अनुसार, लगातार बारिश के कारण झरने में पानी का बहाव तेज हो गया है। ऐसी स्थिति में पर्यटकों को झरने के पास जाने की अनुमति देना जोखिम भरा हो सकता है। इसी वजह से एहतियात के तौर पर पर्यटन गतिविधियों पर रोक लगाई गई है। वन विभाग ने आम लोगों और पर्यटकों को कोवई कुट्टालम जाने से बचने की सलाह दी है। अधिकारियों के मुताबिक, इको-टूरिज्म केंद्र अगली सूचना जारी होने तक बंद रहेगा। झरने को दोबारा पर्यटकों के लिए खोलने का फैसला बारिश की स्थिति और पानी के बहाव की निगरानी करने के बाद लिया जाएगा। जब परिस्थितियां सुरक्षित होंगी, तभी पर्यटन गतिविधियां बहाल करने पर विचार किया जाएगा। प्रशासन का यह कदम भारी बारिश के दौरान संभावित दुर्घटनाओं को रोकने के उद्देश्य से उठाया गया है। पर्यटकों की सलाह दी गई है कि वे बंद क्षेत्र में जाने का प्रयास न करें और वन विभाग की अगली आधिकारिक सूचना का इंतजार करें।

आईटीबीपी स्थापना दिवस पर उपराष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, रक्षा मंत्री ने दी बधाई

नई दिल्ली। उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने शनिवार को भारत-तिब्बत सीमा पुलिस (आईटीबीपी) स्थापना दिवस पर आईटीबीपी के सभी कर्मियों तथा उनके परिवारों को हार्दिक बधाई दी। उपराष्ट्रपति राधाकृष्णन ने सोशल मीडिया प्लटफार्म एक्स पर लिखा, हमारे बहादुर 'हिमवीर' साहस, अनुशासन और अटूट प्रतिबद्धता की मिसाल हैं, जो देश की सीमाओं की रक्षा सबसे कठिन इलाकों और बेहद चुनौतीपूर्ण मौसम में करते हैं। सीमाओं की सुरक्षा, आपदाओं के समय राहत कार्य और मानवीय सहायता पहुंचाने में उनकी अहम भूमिका, देश के प्रति उनकी निस्वार्थ सेवा का प्रमाण है। राष्ट्र उनके शौर्य, समर्पण और बलिदान को नमन करता है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि आईटीबीपी के 'हिमवीरों' ने अपने असाधारण साहस से खुद को साबित किया है। उन्होंने हमेशा अद्भुत दृढ़ संकल्प के साथ हर चुनौती का सामना किया है। उनकी निस्वार्थ सेवा और बलिदान देश के लिए प्रेरणा का एक बड़ा स्रोत हैं। लोकप्रभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा कि हिमालय के अत्यंत दुर्गम क्षेत्रों में देश की सीमाओं की रक्षा करने से लेकर हर चुनौतीपूर्ण परिस्थिति में राष्ट्र की सेवा करने तक, आईटीबीपी के सैनिकों ने अदम्य साहस, अटूट संकल्प और कर्तव्य के प्रति समर्पण का एक बेहतरीन उदाहरण पेश किया है। मातृभूमि की सुरक्षा के प्रति उनका समर्पण देश के लिए गर्व और प्रेरणा का स्रोत है। राष्ट्र सेवा में समर्पित आईटीबीपी के सभी बहादुर सैनिकों के शौर्य को नमन। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि आईटीबीपी के 'हिमवीरों' ने अत्यंत कठिन जलवायु परिस्थितियों में भारत की सीमाओं की सुरक्षा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उन्होंने आंतरिक सुरक्षा अभियानों में भी अहम योगदान दिया है, जिसमें वामपंथी उग्रवाद से निपटने के प्रयास भी शामिल हैं। उनका साहस, पेशेवर रवैया और कर्तव्य के प्रति अटूट समर्पण, राष्ट्र सेवा की सर्वोत्तम परंपराओं को दर्शाता है। केन्द्रीय गुप्त एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने कहा कि उनके शौर्य की गुंज बर्फ से ढके पहाड़ों में सुनाई देती है, जो देश की सुरक्षा के लिए खड़े हर खतरे को धूल में मिला देती है। सबसे कठिन मौसम में भी डटे रहने का उनका जज्बा, सुरक्षा के प्रति भारत के दृढ़ संकल्प का प्रतीक है। उन शहीदों को नमन, जिन्होंने देश के लिए अपना सर्वोच्च बलिदान दिया। केन्द्रीय सड़क परिवहन एवं सहकारिता मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि देश की सीमाओं की रक्षा करते हुए, अक्सर बेहद कठिन परिस्थितियों में भी 'हिमवीरों' का साहस, अनुशासन और अटूट संकल्प सेवा और बलिदान की सर्वोत्तम परंपराओं को दर्शाता है। उनका यह समर्पण हर भारतीय के लिए अत्यंत गर्व का विषय है।

नई टिहरी में हेलीकॉप्टर की एहतियाती लैंडिंग, छह यात्री सुरक्षित

नई टिहरी। उत्तराखंड के नई टिहरी में शनिवार सुबह चारधाम यात्रा में संचालित एक हेलीकॉप्टर को एहतियात के तौर पर बौराड़ी स्टेडियम में उतारा गया। हेलीकॉप्टर में मुंबई के छह यात्री सवार थे और सभी सुरक्षित हैं। अधिकारियों के अनुसार, तकनीकी दिक्कत की जांच के बाद हेलीकॉप्टर ने दोबारा गुप्तकाशी के लिए उड़ान भरी। यह हेलीकॉप्टर ट्रांस भारत कंपनी का था और शनिवार सुबह करीब आठ बजे सहस्रधारा से गुप्तकाशी जा रहा था। इसी दौरान इसे नई टिहरी के बौराड़ी स्टेडियम में उतारा गया। पायलट ने बताया कि यह आपातकालीन लैंडिंग नहीं, बल्कि एहतियात के तौर पर की गई लैंडिंग थी। हेलीकॉप्टर की जांच के दौरान तकनीकी खामी की पड़ताल की गई। इसके बाद हेलीकॉप्टर ने गुप्तकाशी के लिए उड़ान भरी। स्थानीय निवासी परमानंद मैठाणी और विक्रम सिंह नेगी ने बताया कि वे सुबह टहलने जा रहे थे, तभी हेलीकॉप्टर तेजी से स्टेडियम में उतरा। उस समय मैदान में बच्चे भी खेल रहे थे, जो हेलीकॉप्टर को उतरता देखकर किनारे हो गए। लैंडिंग के दौरान स्टेडियम में काफी धूल उड़ने से आसपास के लोगों में हलचल मच गई।

अखिलेश के बयान पर धामी का पलटवार, बोले- उत्तराखंड का अपमान बर्दाश्त नहीं

देहरादून। उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री एवं समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव द्वारा उत्तराखंड के लोगों को लेकर दिए गए एक बयान पर सियासी घमासान मच गया है। अखिलेश के इस बयान की उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कड़ी



आलोचना करते हुए इसे देवभूमि के स्वाभिमान और यहां के लोगों का अपमान बताया। अखिलेश ने पत्रकारों से बातचीत के दौरान कहा था कि ह्दसबसे बड़े घुसपैठिया यूपी कि यह आपातकालीन लैंडिंग नहीं, बल्कि एहतियात के तौर पर की गई लैंडिंग थी। हेलीकॉप्टर की जांच के दौरान तकनीकी खामी की पड़ताल की गई। इसके बाद हेलीकॉप्टर ने गुप्तकाशी के लिए उड़ान भरी। स्थानीय निवासी परमानंद मैठाणी और विक्रम सिंह नेगी ने बताया कि वे सुबह टहलने जा रहे थे, तभी हेलीकॉप्टर तेजी से स्टेडियम में उतरा। उस समय मैदान में बच्चे भी खेल रहे थे, जो हेलीकॉप्टर को उतरता देखकर किनारे हो गए। लैंडिंग के दौरान स्टेडियम में काफी धूल उड़ने से आसपास के लोगों में हलचल मच गई।



फादर बेनेदिक बारला पर हमले और स्कूल लूटकांड का खुलासा, तीन नाबालिग निरुद्ध



खुंटी: आरसी बालक मध्य विद्यालय के प्रधानाचार्य फादर बेनेदिक बारला पर जानलेवा हमले और विद्यालय में लूटकांड की गुथी पुलिस ने तीन दिनों के भीतर सुलझाने का दावा किया है। मामले में तीन विधि-विरुद्ध बालकों को निरुद्ध किया गया है। पुलिस ने उनके पास से लूटे गए 85,747 रुपये नकद, दो मोबाइल फोन, वारदात में इस्तेमाल की गई धारदार खुखरी, पेचकश और घटना के समय पहने गए कपड़े बरामद किए हैं।

घटना 20 अक्टूबर की रात की बताई जा रही है। विद्यालय में हुई इस वारदात के दौरान प्रधानाचार्य फादर बेनेदिक बारला पर जानलेवा हमला किया गया था। गंभीर रूप से घायल फादर को पहले खुंटी सदर अस्पताल ले जाया गया, जहां से बेहतर इलाज के लिए रांची रेफर कर दिया गया था। घटना सामने आने के बाद इलाके में आक्रोश फैल गया और लोगों ने आरोपियों की जल्द गिरफ्तारी की मांग की। घटना के विरोध में 21 अक्टूबर को सड़क जाम किया गया था। वहीं, 23 अक्टूबर को मसीही समुदाय के लोगों ने मौन जुलूस निकालकर पीड़ित को न्याय दिलाने और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग की थी। मामले की गंभीरता और संवेदनशीलता को देखते हुए खुंटी के पुलिस अधीक्षक ऋषभ गर्ग के निर्देश पर एसडीपीओ मंगल सिंह जामुदा के नेतृत्व में विशेष जांच टीम (एसआईटी) गठित की गई। टीम ने तकनीकी साक्ष्यों और गुप्त सूचनाओं के आधार पर जांच आगे बढ़ाई। त्वरित कार्रवाई करते हुए पुलिस ने मामले में सलिलपता के संदेह में तीन विधि-विरुद्ध बालकों को निरुद्ध किया।

पुलिस के अनुसार, तलाशी और पूछताछ के आधार पर 85,747 रुपये नकद और दो मोबाइल फोन बरामद किए गए। इसके अलावा, वारदात में इस्तेमाल की गई धारदार खुखरी, पेचकश और घटना के समय पहने गए कपड़े भी जब्त किए गए हैं। पुलिस ने बरामद सामग्रियों को जांच के लिए महत्वपूर्ण साक्ष्य बताया है। पुलिस ने बताया कि तीनों विधि-विरुद्ध बालकों के मामले में किशोर न्याय से संबंधित कानूनी प्रावधानों का पालन किया जा रहा है। आवश्यक विधिक प्रक्रिया पूरी कर उन्हें किशोर न्याय बोर्ड (जेजेबी) के समक्ष प्रस्तुत किया जा रहा है। पुलिस की इस कार्रवाई को मामले के खुलासे की दिशा में महत्वपूर्ण सफलता माना जा रहा है। हालांकि, घटना से जुड़े सभी पहलुओं की जांच और आगे की कानूनी प्रक्रिया अभी महत्वपूर्ण है।

पलामू में महिला की हत्या और लूटपाट का खुलासा, चार आरोपी गिरफ्तार



मेदिनीनगर: पलामू जिले के नावाबाजार थाना क्षेत्र के बसना गांव में महिला रोता देवी की हत्या और लूटपाट की घटना का पुलिस ने खुलासा करते हुए चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर एसडीपीओ विश्रामपुर के नेतृत्व में गठित विशेष जांच दल (एसआईटी) ने कार्रवाई की। आरोपियों की निशानदेही पर पुलिस ने दो मोटरसाइकिल, चार मोबाइल फोन, मृतका के लूटे गए आभूषण, खून और मिट्टी लगे कपड़े तथा हत्या में इस्तेमाल की गई रस्सी बरामद की है। पुलिस के अनुसार, 20 अक्टूबर की रात दुर्गा पूजा पंडाल से घर लौटते समय रोता देवी लापता हो गई थीं। अगले दिन उनका शव घर के समीप धान के खेत में मिला। घटना के बाद पुलिस ने मामले की जांच शुरू की। जांच के दौरान पुलिस के अनुसार, आरोपियों ने लूटपाट की नीयत से रोता देवी को खेत की ओर ले जाकर उनके आभूषण लूट लिए। पहचान लिए जाने और महिला द्वारा शोर मचाने के बाद आरोपियों ने उनकी हत्या कर दी। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान दीपराजन पांडेय उर्फ छोटू उर्फ कारू (22), रोहित पांडेय (24), आकाश शुक्ला उर्फ झूलन शुक्ला (26) और विक्की पासवान उर्फ विकास पासवान (25) के रूप में हुई है। पुलिस के मुताबिक, गिरफ्तार आरोपियों में से कुछ का पूर्व में भी आपराधिक इतिहास रहा है। मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

दुर्गा पूजा के सफल आयोजन पर केंद्रीय कमेटी ने विधायक सुखराम उरांव और नप अध्यक्ष सन्नी उरांव का जताया आभार



चक्रधरपुर: दुर्गा पूजा शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण माहौल में संपन्न होने पर केंद्रीय दुर्गा पूजा कमेटी ने विधायक सुखराम उरांव, नगर परिषद अध्यक्ष सन्नी उरांव और उपाध्यक्ष विजय साव के प्रति आभार जताया। इस अवसर पर कमेटी के सदस्यों ने तीनों जनप्रतिनिधियों को पुष्पगुच्छ भेंट कर और माला पहनाकर सम्मानित किया। सदस्यों ने पूजा आयोजन में सहयोग देने तथा पर्व के दौरान सामने आई समस्याओं का त्वरित समाधान कराने के लिए उनका आभार व्यक्त किया। विधायक सुखराम उरांव ने कहा कि दुर्गा पूजा आमसी प्रेम, भाईचारे और सामाजिक सद्भाव का प्रतीक है। चक्रधरपुर में सभी पूजा समितियों, प्रशासन, पुलिस और आम नागरिकों के सहयोग से पर्व शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न हुआ, यह खुशी की बात है। उन्होंने कहा कि त्योहारों के दौरान श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की परेशानी न हो, इसके लिए जनप्रतिनिधि हमेशा तत्पर रहते हैं। उन्होंने केंद्रीय दुर्गा पूजा कमेटी और सभी पूजा समितियों को सफल आयोजन के लिए बधाई दी। नगर परिषद अध्यक्ष सन्नी उरांव ने कहा कि दुर्गा पूजा के दौरान नगर क्षेत्र में बेहतर व्यवस्था बनाए रखने के लिए नगर परिषद की ओर से आवश्यक सहयोग देने का प्रयास किया गया। पूजा को शांतिपूर्ण और व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने में कमेटी के सदस्यों, पूजा समितियों और शहरवासियों की महत्वपूर्ण भूमिका रही। उन्होंने कहा कि चक्रधरपुर की गंगा-जमुनी तहजीब और आपसी सौहार्द शहर की पहचान न हो, इसके लिए जनप्रतिनिधि हमेशा तत्पर रहते हैं। उन्होंने केंद्रीय दुर्गा पूजा कमेटी के प्रति आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर केंद्रीय दुर्गा पूजा कमेटी के उपाध्यक्ष शेष नारायण लाल, सचिव संजय पासवान, कुमार विवेक, पंकज शर्मा, परमेंद्र चौहान, अमित मिश्रा समेत कमेटी के अन्य सदस्य उपस्थित थे।

मेदिनीनगर के निजी अस्पताल में प्रसव के बाद महिला की मौत, परिजनों ने उठाए सवाल

पहली संतान के जन्म की खुशी मातम में बदली, अत्यधिक रक्तस्राव से मौत होने का परिजनों का दावा



मेट्रोरेज संवाददाता

मेदिनीनगर: मेदिनीनगर के एक निजी अस्पताल में प्रसव के



बाद एक महिला की मौत का मामला सामने आया है। मृतका की पहचान पूजा कुमारी के

रूप में हुई है। घटना के बाद परिजनों में शोक का माहौल है। उन्होंने अस्पताल की चिकित्सा

सुविधाओं पर सवाल उठाए हैं। जानकारी के अनुसार, पूजा कुमारी को बीती शाम चार बजे

दियारा के विकास की मांग तेज, दियारा विकास संघ ने दानापुर पड़ाव पर किया पुतला दहन

जेपी सेतु के समानांतर बन रहे सिक्स लेन पुल से अप्रोच रोड और रैंप निर्माण की मांग, पांच से छह लाख की आबादी को बाढ़ के दौरान होती है परेशानी

संवाददाता

दानापुर (बिहार): दियारा क्षेत्र के विकास और बुनियादी सुविधाओं की मांग को लेकर दियारा विकास संघ ने दानापुर पड़ाव पर पुतला दहन कर विरोध प्रदर्शन किया। संघ ने केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी सहित संबंधित जनप्रतिनिधियों का ध्यान क्षेत्र की समस्याओं की ओर आकृष्ट कराया। प्रदर्शन का नेतृत्व समाजसेवी एवं दियारा विकास संघ से जुड़े रामजी राय, राजेश कुमार यादव, रोहित कुमार यादव तथा उनकी टीम ने किया। प्रदर्शनकारियों ने जेपी सेतु के समानांतर बन रहे सिक्स लेन पुल से दीघा, सोनपुर और नकटा दियारा क्षेत्र को जोड़ने के लिए अप्रोच रोड एवं रैंप निर्माण की मांग उठाई। दियारा विकास संघ का कहना है कि इस संबंध में केंद्रीय मंत्री के समक्ष भी मांग रखी गई थी, लेकिन अब तक अपेक्षित कार्रवाई नहीं हुई है। संघ ने आरोप लगाया कि दियारा क्षेत्र की समस्याओं को लेकर केंद्र और राज्य सरकार की ओर से गंभीर पहल नहीं की जा रही है। इसी के विरोध में संगठन को आंदोलन का रास्ता अपनाना पड़ा।

बाढ़ के कारण हर साल प्रभावित होता है जनजीवन : संघ के अनुसार, पटना और सारण जिले के बीच गंगा एवं सोन नदियों के



आसपास स्थित दियारा क्षेत्र की लगभग पांच से छह लाख आबादी हर साल बाढ़ की समस्या से प्रभावित होती है। बाढ़ के दौरान शहरी क्षेत्रों से संपर्क टूट जाता है और आवागमन बाधित होने से लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। इसका असर शिक्षा, स्वास्थ्य सेवाओं, रोजगार, कृषि कार्य और खाद्य सामग्री की आपूर्ति पर भी पड़ता है। संघ का कहना है कि समय पर सरकारी सहायता और बेहतर आवागमन की व्यवस्था नहीं होने से स्थानीय लोगों, विशेषकर किसानों को काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। बाढ़ से फसलों और अन्य संसाधनों को होने वाला नुकसान क्षेत्र के लोगों की आर्थिक स्थिति को भी प्रभावित करता है।

जेपी सेतु के समानांतर पुल से अप्रोच रोड बनाने की मांग : दियारा विकास संघ ने कहा कि जेपी

सेतु के समानांतर सिक्स लेन पुल का निर्माण क्षेत्र में आवागमन को बेहतर बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। हालांकि, दियारा क्षेत्र के लोगों को इसका वास्तविक लाभ तभी मिलेगा, जब उनके इलाके को जोड़ने के लिए उचित अप्रोच रोड और रैंप का निर्माण कराया जाएगा। संघ ने सवाल उठाया कि जब बड़े पुलों और सड़कों के निर्माण से शहरों एवं अन्य क्षेत्रों के विकास को गति मिल रही है, तो दियारा की लाखों आबादी को बुनियादी सुविधाओं से वंचित क्यों रखा जा रहा है। संगठन का कहना है कि दियारा क्षेत्र के लोग भी विकास की मुख्यधारा से जुड़ने के हकदार हैं।

तकनीकी बाधा होने पर वैकल्पिक संपर्क मार्ग बनाने की मांग : संघ ने संबंधित अधिकारियों और सरकार से मांग की कि यदि जेपी सेतु के समानांतर बन रहे सिक्स लेन पुल से दियारा क्षेत्र के लिए अप्रोच रोड या रैंप बनाने में कोई तकनीकी बाधा है, तो पहलेजा घाट के पास से वैकल्पिक पुल अथवा संपर्क मार्ग बनाने की दिशा में पहल की जाए। इससे दियारा क्षेत्र के लोगों को शहरों से जोड़ने और आवागमन की समस्याओं को कम करने में मदद मिल सकती है। संघ के अनुसार, बेहतर संपर्क मार्ग उपलब्ध होने से युवाओं के लिए रोजगार के अवसर बढ़ेंगे। महिलाओं और छात्र-छात्राओं को शिक्षा के लिए बेहतर सुविधाएं मिलेंगी

तथा अस्पतालों, बाजारों और अन्य आवश्यक संस्थाओं तक पहुंच आसान होगी। किसानों को अपनी उपज बाजार तक पहुंचाने में भी सहूलियत होगी।

मांगें पूरी नहीं होने पर आंदोलन जारी रखने की चेतावनी : दियारा विकास संघ ने कहा कि क्षेत्र के विकास की मांग को लेकर बार-बार धरना-प्रदर्शन करना संगठन की प्राथमिकता नहीं है, लेकिन समस्याओं की लगातार अनदेखी होने के कारण लोग विरोध करने को मजबूर हैं। संगठन ने केंद्र और बिहार सरकार से दियारा क्षेत्र के विकास के लिए ठोस निर्णय लेने तथा पुल एवं संपर्क मार्ग के निर्माण की दिशा में जल्द कार्रवाई करने की मांग की। आंदोलन में समाजसेवी एवं दियारा विकास संघ के संस्थापक सदस्यों में शामिल रामजी राय, राजेश कुमार यादव और रोहित कुमार यादव की भूमिका रही। संघ ने स्पष्ट किया कि जब तक दियारा क्षेत्र का समुचित विकास नहीं होता और लोगों को बेहतर आवागमन सहित बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध नहीं कराई जातीं, तब तक उनका संघर्ष जारी रहेगा। संघ ने सरकार से मांग की कि दियारा क्षेत्र को लाखों आबादी को बाढ़ की समस्या से राहत दिलाने, शिक्षा एवं स्वास्थ्य सुविधाओं को बेहतर बनाने, रोजगार के अवसर बढ़ाने और किसानों की समस्याओं का समाधान करने के लिए जल्द प्रभावी कदम उठाए जाएं।

पंचायतों की बढहाली पर उठे सवाल, विकास योजनाओं की जांच कराने की मांग

मेट्रो रेज की टीम के सर्वेक्षण में ग्रामीण विकास की स्थिति पर चिंता, मुख्यमंत्री से सख्ती बरतने की अपील

के लिए धन उपलब्ध कराती रही है। इसके बावजूद पंचायतों में अपेक्षित बदलाव नहीं दिखने से सरकारी योजनाओं के क्रियान्वयन और निगरानी व्यवस्था पर सवाल उठ रहे हैं। ग्रामीणों का कहना है कि विकास के दावों और धरातलीय स्थिति में काफी अंतर दिखाई देता है।

आलेख में यह भी सवाल उठाया गया है कि जब शहरी क्षेत्रों में विकास कार्यों को गति दी जा रही है, तो ग्रामीण इलाकों की समस्याओं पर उतना ही ध्यान क्यों नहीं दिया जा रहा है? जिला प्रशासन और संबंधित अधिकारियों की जिम्मेदारी केवल शहरी क्षेत्रों तक सीमित नहीं है। ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले किसान, मजदूर और अन्य नागरिक भी बेहतर सड़क, शिक्षा, स्वास्थ्य तथा रोजगार जैसी बुनियादी सुविधाओं के हकदार हैं।

मजदूरी के लिए दूसरे राज्यों में पलायन को मजबूर हैं ग्रामीण : पटना जिले के दानापुर प्रखंड के दियारा क्षेत्र के दौरे के दौरान मेट्रो रेज की टीम की मुलाकात समाजसेवी रामजी राय से हुई।

दियारा क्षेत्र के विकास के संबंध में पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि बिहार में रोजगार और विकास के पर्याप्त अवसर नहीं होने के कारण बड़ी संख्या में लोग दिल्ली, हरियाणा, पंजाब, गुजरात, पश्चिम बंगाल, झारखंड, गोवा, मुंबई और तमिलनाडु सहित अन्य राज्यों में काम करने के लिए पलायन कर रहे हैं।

रामजी राय के अनुसार, बिहार के ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार की स्थिति चिंताजनक है। उन्होंने कहा कि मजदूरों को काम पाने के लिए सुबह से शाम तक इंतजार करना पड़ता है। कई बार उन्हें काम नहीं मिलता और वे खाली हाथ घर लौटने को मजबूर हो जाते हैं। उनके मुताबिक, कुछ राजनीतिक रैलियों के दौरान मजदूरों को झंडा लेकर शामिल होने के लिए चार से पांच सौ रुपये तक दिए जाते हैं, लेकिन निर्यात रोजगार के अवसरों का अभाव बना हुआ है। उन्होंने कहा कि जब राजधानी पटना के आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों की स्थिति ऐसी है, तो राज्य के दूर-दराज के जिलों की स्थिति का अंदाजा लगाया जा सकता है।

दियारा विकास संघ लंबे समय से कर रहा संघर्ष : रामजी राय ने बताया कि दियारा क्षेत्र के विकास की मांग को लेकर हाल ही में कुछ सामाजिक संगठनों ने मिलकर पुतला दहन किया। इसमें दियारा विकास संघ भी शामिल था। उन्होंने कहा कि संघ लंबे समय से दियारा क्षेत्र के विकास के लिए संघर्ष कर रहा है और धरना-प्रदर्शन के माध्यम से अपनी मांगें उठाता रहा है। उन्होंने उम्मीद जताई कि नई सरकार ग्रामीण विकास की समस्याओं को गंभीरता से लेगी। हालांकि, उनके अनुसार, अब तक अपेक्षित सुधार नहीं दिखने से लोगों में निराशा है। उन्होंने कहा कि जब तक बिहार सरकार प्रखंड स्तर के अधिकारियों की जवाबदेही तय कर सख्ती से कार्रवाई नहीं करेगी, तब तक पंचायतों की स्थिति में व्यापक सुधार मुश्किल है।

विकास योजनाओं की हो धरातलीय जांच मेट्रो रेज की टीम का कहना है कि विभिन्न जिलों में सामने

आई समस्याओं का स्वरूप काफी हद तक एक जैसा है। पंचायतों में विकास योजनाओं की वास्तविक स्थिति का पता लगाने के लिए सरकारी धन के उपयोग, निर्माण कार्यों की गुणवत्ता और योजनाओं के क्रियान्वयन की निष्पक्ष जांच जरूरी है।

टीम ने सर्वेक्षण के दौरान जुटाए गए तथ्यों को अपने मुख्य संपादक मिस्टर लाल दिवाकर को सौंपा है। आलेख में मुख्यमंत्री और राज्य सरकार से मांग की गई है कि पंचायतों को पिछले पांच वर्षों में उपलब्ध कराई गई विकास राशि का विवरण सार्वजनिक किया जाए तथा संबंधित योजनाओं का भौतिक सत्यापन कराया जाए। यदि जांच में अनियमितता या सरकारी धन के दुरुपयोग की पुष्टि होती है, तो दोषियों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जानी चाहिए। इससे सरकारी योजनाओं में पारदर्शिता बढ़ेगी और ग्रामीण जनता तक विकास का लाभ पहुंचाने में मदद मिलेगी।

